घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 323- शुक्रवार 25- सितम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संक्षिप्त समाचार

खाने का तेल सस्ता होगा

सूरजमुखी तेल पर अब कस्टम ड्यूटी नहीं लगेगी,सोया-पाम ऑयल पर 5% घटाई...

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2026। केंद्र सरकार ने खाने के तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी घटा दी है। इससे देश में खाना पकाने का तेल सस्ता हो सकता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक,नई दरें गुरूवार से लागू हो गई। सरकार ने क्रूड सोया और क्रूड पाम ऑयल पर शुल्क 10% से घटाकर 5% कर दिया है। रिफाइंड सोया और रिफाइंड पाम ऑयल पर ड्यूटी 32.5% से घटाकर 27.5% की गई है। क्रूड सूरजमुखी तेल पर शुल्क 10% से घटाकर शून्य कर दिया गया है। रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर कस्टम ड्यूटी 32.5% से घटाकर 22.5% कर दी गई है। इन कटौतियों से खाद्य तेलों की आयात लागत कम होने की उम्मीद है। इससे ग्राहकों को कीमतों में राहत मिल सकती है। हालांकि, ग्राहकों को मिलने वाली राहत इस बात पर निर्भर करेगी कि सप्लाई चेन में ड्यूटी कटौती का फायदा किस तरह आगे पहुंचाया जाता है।

नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार को मिली जमानत...कलकत्ता हाईकोर्ट ने पूछा- 19 साल पुराने मामले में कार्रवाई क्यों

कोलकाता,24 सितम्बर 2026। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में होने वाले उपचुनाव से पहले नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को जमानत दे दी। गुरुवार को अदालत ने फैसले में कहा कि पुलिस इस मामले में उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकती। कोर्ट ने मिलन प्रधान को चुनाव लड़ने की भी इजाजत दे दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने मिलन को जमानत देते हुए टिप्पणी की- यह आश्चर्यजनक है कि शिकायत 2007 में दर्ज की गई थी और जांच अधिकारी ने 19 साल बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की है। जस्टिस भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि राज्य सरकार की ओर से ऐसा कोई डॉक्यूटमेंट पेश नहीं किया गया, जिससे यह साबित हो कि कोई प्रोडक्शन वारंट जारी किया गया था। कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूर्व मेदिनीपुर जिले के खेजुरी पुलिस थाने में दर्ज साल 2007 के इस केस के सिलसिले में 12 अक्टूबर तक प्रधान के खिलाफ कोई कार्रवाई न करे। इस मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी।

वडोदरा के अलकापुरी में 166.5 करोड़ से बनेगा चार लेन आरओबी

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2026। भारतीय रेलवे ने वडोदरा मंडल के अलकापुरी में 166.5 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन वाले रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण को मंजूरी दी है। रेलवे और राज्य सरकार इस परियोजना की लागत बराबर-बराबर वहन करेंगे। नया आरओबी मौजूदा अलकापुरी रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) की जगह अतिरिक्त और बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराएगा। रेल मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्ष करीब 83.2769-83.2769 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेंगे। यह आरओबी वडोदरा रेलवे स्टेशन के आसपास सड़क यातायात को सुगम बनाने के साथ अलकापुरी और कालाघोड़ा क्षेत्रों के बीच संपर्क को मजबूत करेगा। मौजूदा आरयूबी की ऊंचाई करीब तीन मीटर होने के कारण बड़े वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है। मानसून के दौरान यहां जलभराव की समस्या भी रहती है, जिससे यातायात बाधित होता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की : राहुल गांधी

मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था,सरकार ने उन्हें कानून से ऊपर रखा

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2026। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, एसआईआर और वोटर लिस्ट से जुड़े विवादों पर गुरुवार को 55 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की है। वे देशद्रोही हैं। मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था, लेकिन सरकार ने मेरी बात नहीं मानी। राहुल ने बताया,'भारत में हर सरकार के खिलाफ एंटी-इंकंबेंसी होती है,इंदिरा गांधी बांग्लादेश युद्ध जीतने के बाद भी हारीं, फिर भाजपा के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ। इसकी वजह ज्ञानेश कुमार हैं। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में धांधली की। इससे मोदी-शाह के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी नहीं आई।' राहुल ने 2025 में एसआईआर पर तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस की थीं। तब उन्होंने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने आयोग को सरकार की 'बी टीम' भी कहा था।

एंटी-इन्कंबेंसी को लेकर उठाए सवाल

राहुल गांधी ने भाजपा के कई राज्यों में लगातार चुनावी प्रदर्शन का जिक्र करते हुए एंटी-इन्कंबेंसी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि भारत में आमतौर पर सरकारों के खिलाफ एंटी-इन्कंबेंसी का प्रभाव देखने को मिलता है,लेकिन कई राज्यों में यह खत्म होती दिखाई दे रही है। उन्होंने हरियाणा,महाराष्ट्र और गुजरात का उदाहरण दिया। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें यह समझ नहीं आता कि अलग-अलग राज्यों में एंटी-इन्कंबेंसी कैसे खत्म हो जाती है। इसके बाद उन्होंने इराक और उत्तर कोरिया का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां लोकतंत्र नहीं होता, वहां एंटी-इन्कंबेंसी भी नहीं होती।

बीजेपी बोली...राहुल गांधी का पॉलिटिकल ज्ञान शून्य है...

राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने मीडिया से बात की। सुधांशु ने कहा...'राहुल गांधी ने कहा कि मैं 50 साल से राजनीति समझ रहा हूं मगर उनकी खुद की उम्र 56 साल ही है। बंगाल में 1977 के बाद से कांग्रेस की सरकार नहीं आई है, बिहार में 1990 के बाद से कांग्रेस की सरकार नहीं आई है। राहुल गांधी को इसकी जानकारी ही नहीं है। जब से पारदर्शी चुनाव हो गए हैं, सीसीटीवी कैमरे आए हैं और स्वतंत्र मीडिया आया है तभी से इनके लाले पड़ गए हैं सत्ता में आने के लिए। राजनीतिक दृष्टि से राहुल गांधी का ज्ञान शून्य है।'

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से तत्काल पद छोड़ने की मांग भी की। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग को लोगों के वोट की रक्षा करने की जिम्मेदारी मिली थी,लेकिन चुनावी व्यवस्था में कथित गड़बड़ियों के कारण इस जिम्मेदारी पर सवाल खड़े हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उनके पास 'वोट चोरी' को सावित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की कोशिश में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल पहले भी सीईसी ज्ञानेश कुमार को लेकर कार्रवाई की मांग कर चुके हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त 48 घंटे में इस्तीफा दें...वरना देशभर में आंदोलन करेंगे : कॉकरोच जनता पार्टी

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2026। कॉकरोच जनता पार्टी ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने एसआईआर के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है। दीपके ने कहा...लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने। लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं,तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं। दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने एसआईआर को लेकर पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति दर्ज की,लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया।

ममता-केजरीवाल की सीटों पर वोट डिलीट हुए, दीपके के आरोप...

1. **2024 के नतीजों के बाद बीजेपी डरी :** 2024 के चुनाव में बीजेपी बहुमत हासिल नहीं कर सकी। '400 पार' का नारा देने के बाद वह 240 सीटों पर आ गई। इसके बाद उन्हें महसूस हुआ कि क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत हो रही हैं।
2. **क्षेत्रीय नेताओं को एक-एक कर हराने का आरोप :** महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे हों, एनसीपी, एमके स्टालिन, पिनराई विजयन, अरविंद केजरीवाल या ममता बनर्जी, इन सभी मुख्यमंत्रियों को एक-एक करके हराया गया। यह महज संयोग नहीं हो सकता। ये सभी 2024 में एक साथ आए थे और उन्होंने मिलकर भाजपा के खिलाफ प्रचार किया था।
3. **विपक्ष को खत्म करने की कोशिश का सवाल :** क्या यह कदम सिर्फ मजबूत विपक्षी नेताओं को खत्म करने के लिए उठाया गया था?

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक 4 पिस्तौल समेत गोला-बारूद मिला

तरनतारन,24 सितम्बर 2026। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक खेमकरण क्षेत्र के गांव रतोके भूप में बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई के दौरान हथियारों और गोला-बारूद की खेप बरामद की है। एक खेत में मिले संदिग्ध पैकेट से 4 पिस्तौल, 8 मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। बीएसएफ के मुताबिक 148वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट एमएस जौ अपनी टीम के साथ रात के समय सीमावर्ती इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान गांव रतोके भूप के एक खेत में पीले रंग की टेप से लिपटा हुआ लावारिस पैकेट दिखाई दिया। सुरक्षा बलों ने सावधानी के साथ पैकेट की जांच की, तो उसमें हथियार और कारतूस मिले। बरामद सामग्री में तुर्की निर्मित 30 बोर की तीन जिगना पिस्तौल, चीन निर्मित एक 30 बोर पिस्तौल,8 मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस शामिल हैं। सूचना मिलने पर खेमकरण पुलिस भी मौके पर पहुंची और बरामद हथियारों को अपने कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी कंवलजीत राय के अनुसार मामले में आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हथियारों की यह खेप किसके लिए भेजी गई थी और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि सीमा पार तस्करी और स्थानीय संपर्कों के संभावित नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

नोएडा में चलती स्लीपर बस में आग,9 जिंदा जले

यात्री बोले...सिगरेट पी रहे थे ड्राइवर-क्लीनर,आग भड़की तब भी बस नहीं रोकी

नोएडा,24 सितम्बर 2026। नोएडा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती स्लीपर एसी बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है। बस में कुल 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ लोग खिड़कियां तोड़कर निकले। अंदर फंसे लोग बुरी तरह जल गए। उनके शव तक की पहचान नहीं हो पाई।

पैसेंजर बोले...ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे...

बस में सफर कर रहे सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे। यात्रियों ने विरोध किया तो दोनों हंसने लगे। बस में जलने की गंध भी आ रही थी,कुछ देर बाद उसमें आग लग गई। आग के बावजूद ड्राइवर ने तुरंत बस नहीं रोकी। यात्रियों के शीशे तोड़ने के बाद ही उसे रोका गया। पुलिस ने बताया कि बस मध्य प्रदेश के राज कल्पना ट्रैवल्स की है। इसके 19 चालान हो चुके हैं और 1.75 लाख जुर्माना लगाया गया है। पुलिस ने दो ड्राइवर पवन, विनोद और कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया है।

फायर ऑफिसर ने बताया कि फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियों ने 45 मिनट में आग बुझाई। फायर फाइटर्स बस का पिछला हिस्सा काटकर अंदर पहुंचे,तब एक-एक करके शव बाहर निकाले गए। रेस्क्यू करीब 2 घंटे चला। नोएडा के चीफ फायर ऑफिसर (प्रदीप कुमार के मुताबिक शुरुआती जांच में एसी में स्पार्क या ब्लास्ट से इंजन में आग लगने की आशंका है।

बस में सिलेंडर और काफी मात्रा में नेल पॉलिश मिली : बस की डिग्गी में काफी मात्रा में नेल पॉलिश मिली है। नेल पॉलिश एक ज्वलनशील चीज होती है। इससे आग तेजी से भड़कती है। वहीं एक सिलेंडर भी मिला है। जांच के दौरान अफसरों ने कहा कि ऐसी चीजें ले जाने पर मनाही होती है। ऐसे में आशंका है कि सिलेंडर और नेल पॉलिश से भी आग तेजी से फैली होगी।

सेवा करते-करते ही सेवा का संदेश दें,उपदेश नहीं : पीएम मोदी

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सेवा ही मुख्य मकसद होना चाहिए और सेवा का संदेश, उपदेश देकर नहीं बल्कि अपने आचरण और काम के जरिए देना चाहिए। उन्होंने सेवा संकल्प यात्रा में शामिल युवाओं से कहा कि राजनीति में कितनी भी बड़ी सत्ता या ऊंचाई हासिल हो जाए, उनका रास्ता सेवा का ही रहना चाहिए और वे कभी सेवा के मार्ग से विचलित न हों। प्रधानमंत्री ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत वडनगर से वाराणसी जा रहे सेवा यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद के दौरान कहा, 'सेवा करते-करते सेवा का संदेश देना है, सेवा का उपदेश नहीं देना है। हम सेवा कर-करके ही सेवा का संदेश देंगे।' उन्होंने कहा कि लोगों को उनके आचरण से दिखना चाहिए कि सत्ता कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाए, सेवा ही उनका मार्ग रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वडनगर और वाराणसी दो प्राचीन एवं जीवंत शहर हैं। एक उनकी जन्मभूमि है और दूसरा कर्मभूमि। इन दोनों शहरों के बीच सेवा का यह बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 20 टोलियां 10 राज्यों के 193 जिलों, 773 तहसीलों और 10,159 गांवों से होकर गुजर रही हैं। यात्रा की कुल लंबाई करीब 35,576 किलोमीटर है और इसमें 380 रात्रि पड़ाव निर्धारित किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यात्रा के दौरान ग्राम सभाओं, लाभार्थियों और आम नागरिकों से संवाद, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य सेवा गतिविधियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में यात्रा और सेवा दोनों सामाजिक संस्कारों से जुड़े रहे हैं। ऐसी यात्राएं करुणा, विनम्रता, टीमवर्क और अनुशासन सिखाती हैं तथा समाज से जुड़ने का अवसर देती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीति और चुनाव अपनी जगह हैं तथा शासन व्यवस्था अपनी जगह, लेकिन सेवा यात्री राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि साल 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवाशक्ति की बड़ी भूमिका होगी और युवाओं को देश के विभिन्न क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और लोगों की आकांक्षाओं को जमीन पर जाकर समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यात्रा युवाओं को करुणा, विनम्रता, टीमवर्क और अनुशासन सीखने का अवसर देती है। उन्होंने यात्रियों से अपने अनुभव दर्ज करने तथा यात्रा के दौरान मिले लोगों, उनके अनुभवों और स्थानीय स्तर पर देखे गए अच्छे कार्यों का दस्तावेज तैयार करने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब शासन के मूल में सेवा का भाव होता है तो नीतियों के केंद्र में नागरिक होते हैं। उन्होंने गरीबों को मुफ्त अनाज, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला, पीएम किसान और पीएम सूर्य घर जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सेवाभाव ही इन योजनाओं की अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करने की प्रेरणा है। उन्होंने कहा, 'सेवा परमो धर्मः, सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। नर सेवा नारायण सेवा, अर्थात मानव की सेवा ही ईश्वर की सेवा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि गांवों, किसानों और स्थानीय समुदायों के पास ज्ञान और अनुभव का समृद्ध भंडार है। एक गांव का अच्छा प्रयोग दूसरे गांव के काम आ सकता है और एक क्षेत्र का अनुभव पूरे देश की शक्ति बन सकता है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान देश की विविधता में एकता को समझने और इसे दूसरे क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

भारत-नीदरलैंड का जल क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी और मजबूत बनाने पर जोर

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2026। भारत और नीदरलैंड ने जल क्षेत्र में अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तकनीकी सहयोग एवं क्षमता निर्माण पर जोर दिया है। दोनों देशों के बीच गुरुवार को हुई बैठक में गुजरात की कल्पसर परियोजना में सहयोग के लिए केंद्रीय जल आयोग, गुजरात सरकार के कल्पसर विभाग और नीदरलैंड के जल संबंधी शोध संस्थान डेल्टारेस एवं डेल्फ्ट तकनीकी विश्वविद्यालय के बीच दो त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और नीदरलैंड के बुनियादी ढांचा एवं जल प्रबंधन उपमंत्री जैप स्लूटमेकर ने भारत मंडपम में 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह-2026 के दौरान बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गुजरात की कल्पसर परियोजना के लिए तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने पर विशेष रूप से चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री राज भूषण चौधरी, गुजरात के जल संसाधन एवं जलापूर्ति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ईश्वरसिंह पटेल, केंद्रीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक केके मीणा, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग की सचिव अर्चना वर्मा, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष अनुपम प्रसाद तथा भारत में नीदरलैंड की राजदूत मारिसा गेरार्ड्स सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

यूपीआई तंत्र के हित में है एमडीआर

यूपीआई यानी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस वह सिस्टम है, जिसकी वजह से हम मोबाइल से तुरंत किसी को भी पैसे भेज या मंगवा सकते हैं। इसे 2016 में एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया) ने शुरू किया था और तब सिर्फ 44 बैंक इससे जुड़े थे। आज 750 से अधिक बैंक इससे जुड़े हैं। शुरुआत में इसका इस्तेमाल बहुत कम था, लेकिन आज हर महीने 2,400 करोड़ से भी ज्यादा लेनदेन इसी के जरिये हो रहे हैं। यानी हर दिन करीब 80 करोड़ से अधिक बार लोग यूपीआई से पैसे भेज या ले रहे हैं। यह बदलाव सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं।

गांव की छोटी दुकान, ठेले वाला,आटो चालक आदि सब यूपीआई क्यूआर कोड से जुड़ चुके हैं। इसने नकदी पर निर्भरता को कम किया है और बैंकिंग को उन लोगों तक पहुंचाया है,जिनके पास पहले कभी डेबिट-क्रेडिट कार्ड नहीं था। इसने छोटे व्यापारियों को बिना किसी भारी उपकरण या शुल्क के डिजिटल भुगतान अपनाने का मौका दिया। अर्थशास्त्र की दृष्टि से देखें तो यूपीआई ने भुगतान की लागत को शून्य कर दिया, जिससे औपचारिक आर्थिकी का दायरा बढ़ा और वित्तीय समावेशन को नई गति मिली। यही वजह है कि आज यूपीआई सिर्फ एक तकनीकी सुविधा नहीं,बल्कि भारत की डिजिटल आर्थिकी की रीढ़ है।

यूपीआई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खूब सराहा गया है। आईएमएफ ने जून 2025 में यूपीआई को दुनिया का सबसे बड़ा रीयल-टाइम भुगतान तंत्र बताया था,जो विश्व का करीब 49 प्रतिशत रीयल-टाइम डिजिटल लेनदेन संभालता है-ब्राजील,चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से भी अधिक। आज भूटान,नेपाल,सिंगापुर,यूएई,फ्रांस,श्रीलंका,मारीशस और मालदीव समेत करीब एक दर्जन देश यूपीआई को अपना चुके हैं और कई देश अपने डिजिटल भुगतान ढांचे को इसी माडल पर बनाने पर विचार कर रहे हैं। अब इसी मुफ्त सिस्टम में 15 अक्टूबर, 2026 से मामूली शुल्क लगने जा रहा है, जिसे एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट कहा जाता है। एनपीसीआई के इस फैसले ने हलचल पैदा की है, लेकिन असली तस्वीर समझने के लिए इसे आंकड़ों और अर्थशास्त्र की नजर से देखना जरूरी है। सबसे पहली बात यह कि ₹2,000 रुपये तक के यूपीआई भुगतान पूरी तरह मुफ्त ही रहेंगे और यही रकम कुल भुगतान (यानी जब किसी दुकानदार को यूपीआई से पैसे दिए जाते हैं) का 95 प्रतिशत से भी ज्यादा हिस्सा है। मतलब सौ में से 95 से ज्यादा बार जब आप यूपीआई से पैसे देंगे तो कोई शुल्क नहीं लगेगा।

यूपीआई भुगतान पर शुल्क सिर्फ उन पांच प्रतिशत से भी कम लेनदेन पर लगेगा जो ₹2,000 से अधिक के होंगे और वह भी सिर्फ बड़े दुकानदारों-कारोबारियों पर। जो छोटे दुकानदार महीने में एक लाख रुपये तक यूपीआई क्यूआर कोड से कमाते हैं,उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उनके लिए सब कुछ पहले जैसा मुफ्त ही रहेगा। दर भी बहुत मामूली रखी गई है-सिर्फ 0.4 प्रतिशत और वह भी 75,000 या उससे अधिक के लेनदेन पर अधिकतम 300 तक।

यह शुल्क ग्राहक से नहीं,बल्कि दुकानदार से लिया जाएगा यानी 3,000 की खरीदारी पर दुकानदार को सिर्फ 12 रुपये का एमडीआर देना होगा। 1,00,000 की खरीदारी पर 0.4 प्रतिशत के हिसाब से 400 बनते हैं,लेकिन दुकानदार से अधिकतम 300 ही लिया जाएगा। रेलवे टिकट,बीमा प्रीमियम,बिजली-पानी बिल,पेट्रोल पंप और स्कूल-कालेज की फीस आदि पर तो और भी राहत है। वहां प्रतिशत की जगह सिर्फ 5 रुपये का फ्लैट शुल्क ही लगेगा,चाहे रकम कितनी भी बड़ी क्यों न हो। भारत में क्रेडिट कार्ड पर दुकानदारों को आमतौर पर 1.5 से 2.5 प्रतिशत तक शुल्क देना पड़ता है, जबकि डेबिट कार्ड पर यह करीब 0.9 प्रतिशत तक जा सकता है। इस हिसाब से यूपीआई की 0.4 प्रतिशत दर अब भी सबसे सस्ती रहेगी-क्रेडिट कार्ड से चार-छह गुना कम और डेबिट कार्ड से भी काफी कम। इसका मतलब है कि दुकानदारों के पास डिजिटल भुगतान अपनाते रहने की वजह बनी रहेगी और नकदी की तरफ लौटने का खतरा नहीं बढ़ेगा।

बाकी बड़े देशों से तुलना करें तो भारत की यह दर वाकई कम ठहरती है। चीन में अलीपे जैसे मोबाइल-वालेट दुकानदारों से 0.6 प्रतिशत तक शुल्क लेते हैं यानी यूपीआई से भी ज्यादा, जबकि वहां भी लेनदेन की संख्या भारत जैसी ही बहुत बड़ी है। ब्राजील में डेबिट कार्ड पर एक प्रतिशत से अधिक और क्रेडिट कार्ड पर तो 2.2 प्रतिशत तक शुल्क लगता है। अमेरिका में कोई सीमा तय नहीं है और क्रेडिट कार्ड की फीस अक्सर 2 से 3 प्रतिशत तक चली जाती है, जिसकी शिकायत वहां के छोटे दुकानदार बरसों से करते आए हैं। इन सबकी तुलना में भारत की 0.4 प्रतिशत दर बहुत ही कम बैठती है।

असली सवाल शुल्क की दर से ज्यादा उसकी वजह का है। यूपीआई पर हर साल करीब ₹20,000 करोड़ रुपये खर्च सिर्फ सर्वर, साइबर सुरक्षा और तकनीकी ढांचे पर आता है। कोई भी सुविधा हमेशा मुफ्त नहीं चल सकती। जब कोई सुविधा बिल्कुल मुफ्त होती है तो अक्सर सिर्फ बड़ी कंपनियां ही लंबे समय तक घाटा झेल पाती हैं और नई-छोटी कंपनियों के लिए बाजार में टिकना मुश्किल हो जाता है। एक मामूली शुल्क इस बाजार में और प्रतिस्पर्धा ला सकता है और नई तकनीक में निवेश को बढ़ावा दे सकता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती (अंत्योदय दिवस)पर विशेष...

अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है,जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता,डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थ व्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद,ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं,बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है।

'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य'अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे,कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानव वाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर,मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,सुलभस्वास्थ्य,सम्मान जनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच,उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं,बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा,उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे,उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं,अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो,बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल,डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा।

भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी,जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः'और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी,संगठन,राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है?

2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन,समाज,उद्योग,स्वयंसेवी संस्थाओं,शिक्षण संस्थानों और नागरिकों-सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी,युवाओं को कौशल देना होगा,शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी,स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नई तकनीकें इस पहुंच को तेज कर सकती हैं,2026 में नीति आयोग की डीपीआई-2047 रूपरेखा ने भी डिजिटल अवसंरचना को समावेशी और उत्पादकता-आधारित विकास से जोड़ा है। अंत्योदय का सबसे बड़ा संदेश यही है कि राष्ट्र की प्रगति को ऊपर से नीचे नहीं, नीचे से ऊपर भी देखना होगा। जब अंतिम गांव आगे बढ़ेगा,भारत आगे बढ़ेगा। जब अंतिम परिवार आत्मनिर्भर होगा,भारत मजबूत होगा। जब अंतिम बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाएगा,भारत का भविष्य मजबूत होगा। जब अंतिम श्रमिक को सम्मान और सुरक्षा मिलेगी, भारत की विकास यात्रा अधिक मानवीय होगी।

अंत्योदय दिवस इसलिए केवल 25 सितंबर का एक स्मृति-दिवस नहीं होना चाहिए। इसे राष्ट्र के विकास की नैतिक कसौटी बनाने की आवश्यकता है। दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को युगों तक जीवित रखने वाला सबसे प्रभावी स्मारक कोई भवन या प्रतिमा नहीं, बल्कि ऐसा भारत होगा जिसमें अंतिम व्यक्ति स्वयं को व्यवस्था से बाहर नहीं,बल्कि राष्ट्र की मुख्यधारा का सम्मानित भागीदार महसूस करे। विकसित भारत की ऊंचाई उसकी आर्थिक शक्ति से दिखाई देगी,लेकिन उसकी वास्तविक महानता इस बात से पहचानी जाएगी कि उसकी विकास-यात्रा कितनी दूर तक और कितने लोगों तक पहुंची है। अंत्योदय उसी यात्रा का मानवीय आधार है। 2047 का भारत यदि समृद्ध, सशक्त, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण बनना चाहता है, तो विकास की हर मंजिल पर उसे एक बार पीछे मुड़कर उस अंतिम व्यक्ति को देखना होगा-क्योंकि जिस दिन अंतिम व्यक्ति का उदय होगा,उसी दिन भारत के उदय की पूर्णता होगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भगवत्गीता में अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण से कहा था...

मन अत्यंत चंचल,प्रमथनशील और दृढ़ है,इसे वश में करना हवा को बाँधने जैसा दुष्कर है...

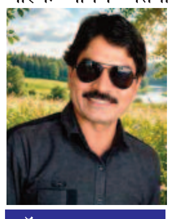

डॉ. मुश्ताक अहमद
हरदा,मध्यप्रदेश

मन रे तू काहे न मेरी बात सुने...यह उक्ति केवल एक काव्य पंक्ति नहीं, बल्कि मानव चेतना की सबसे बड़ी चुनौती और सत्य को रेखांकित करती है। मनुष्य मन अत्यंत चंचल,अस्थिर और असीम इच्छाओं का केंद्र है। वह भूतकाल की स्मृतियों में भटकता है या भविष्य की आशंकाओं से घिर जाता है, लेकिन वर्तमान के क्षण में टिकना उसके लिए सबसे कठिन होता है।

मन की चंचलता, स्वभाव और स्वरूप, भगवत्गीता में अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण से कहा था कि...मन अत्यंत चंचल,प्रमथनशील और दृढ़ है, इसे वश में करना हवा को बाँधने जैसा दुष्कर है। मन का स्वभाव जल की तरह है,जैसे बहता जल छोटी सी बाधा से भी मार्ग बदल लेता है, वैसे ही मन हर नए विचार, इच्छा और भय के साथ बहने लगता है।

मन की इस अस्थिरता के मुख्य कारण हैं...

अपेक्षाएँ और चिंताएँ,जीवन में तुरंत परिणाम पाने की होड़ और अनिश्चितता का भय।

इंद्रियों का आकर्षण,बाहरी आकर्षण मन को लगातार भटकाते रहते हैं। सहनशीलता की कमी,थोड़ी सी भी विपत्ति या विलंब में धैर्य खो देना।

धीर धरना (धैर्य) क्यों आवश्यक है?

धीरज या धैर्य कोई कमजोरी नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति का प्रतीक है। जब मन अधीर होता है,तब व्यक्ति जल्दबाज़ी में ग़लत निर्णय लेता है, जिससे तनाव और असफ़लता मिलती है।

धीरे-धीरे रे मना,धीरे सब कुछ होय। माली सींचे सौ घड़ा,ऋतु आए फल होय।। — संत कबीर

संत कबीर का यह दोहा समझाता है कि समय से पहले और भाग्य से अधिक कभी किसी को कुछ नहीं मिलता। सही समय आने पर ही प्रयास रंग लाते हैं, ठीक वैसे ही जैसे मौसम आने पर ही पेड़ में फल लगते हैं।

चंचल मन को शांत और संतुलित करने के उपाय

अभ्यास और वैराग्य,निरंतर आत्म-निरीक्षण और निरर्थक विचारों से दूरी बनाना। ध्यान और प्राणायाम,श्वास पर ध्यान केंद्रित करने से मन की गति धीमी होती है और एकाग्रता बढ़ती है।

सकारात्मक चिंतन,निराशाजनक परिस्थितियों में भी धैर्यपूर्वक समाधान खोजने की आदत डालना।

स्वीकार्यता,जो चीज़ें हमारे नियंत्रण में नहीं हैं,उन्हें सहर्ष स्वीकार करना सीखना।

मन को बलपूर्वक रोकना कठिन है, लेकिन प्रेम, सजगता और धैर्य के साथ इसे सही दिशा में मोड़ा जा सकता है। जीवन के हर पथ पर धीर धरकर चलना ही मानसिक शांति और सफलता की कुंजी है।

हिंदी कवितायें

यह दुनिया भ्रमजाल है...

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

मां बेटे को 9 महीने गर्भ में पालती है
अपने लिए सुनहरे सपने देखती है
सोचती है बुढ़ापे में मेरी सेवा करेगा
बुढ़ापे में बेटा उसे छोड़ देता है।
मां का भ्रमजाल टूट जाता है।
आदमी सुबह से लेकर शाम तक
परिवार की खुशी के लिए कमाता है
सोचता है परिवार में प्रशंसा होगी
लेकिन उसकी कमियां निकाली जाती है।
उसके साथ कोई हमदर्दी नहीं करता।
उसका भ्रमजाल टूट जाता है।
आदमी सारी उम्र पैसा कमाता है
सोचता है पैसा कल काम आएगा
कमाते कमाते बेचारा बूढ़ा हो जाता है
कल के सुख के लिए, आज का सुख छोड़ा
बुढ़ापे में उसे कई बीमारियां लग जाती है
उसके खाने पीने पर पाबंदियां लग जाती है
बेचारा कहीं आ जा भी नहीं सकता
परिवार वाले भी उसे नहीं पूछते
पैसा कमाने का उसका भ्रमजाल टूट जाता है।
सुखी जीवन के लिए आदमी रिश्ते बनाता है
दुख उठाकर वह दूसरों को सुख देना चाहता है
यह सब दूसरों से प्रशंसा के लिए करता है
लेकिन जब उस पर कोई मुसीबत आती है
उसके तथा कथित सभी प्रशंसक छोड़ जाते हैं
रिश्ते बनाने का उसका भ्रमजाल टूट जाता है।
आदमी की सारी की सारी जिंदगी इस प्रकार के
भ्रमजाल मैं फंसकर पश्चाताप में गुजर जाती है।

हिंदी कवितायें

राजेन्द्र लाहिरी,पामगढ़, छत्तीसगढ़

ओ सिस्टम के बेईमानों

ओ सिस्टम के बेईमानों,
तुम कब तक आंख चुराओगे?
संविधान की पावन प्रति को,
कब तक धूल चटाओगे?
हक़ खा रहे, लहू पी रहे,
ओ रक्तपिपासु कैसे जी रहे,
पिछड़ों की लाशों पर हंसते,
तुम ऐश की ज़िंदगी जी रहे,
गरल से भरा मीठा पानी,
भर भर गिलास पिलाते हो,
स्ष्ट, स्ज्ञ, ह्ब्क्ष्ट के हक़
मारकर,
तुम समता का ढोंग रचाते हो,
फाइल में जो दब जाती है,
वो कराह किसी बेबस की है,
कुर्सी पर जो बैठी है,
वो नीयत ही कुछ संशय की है,
पर याद रखो ओ हुक्मरानों,
यह सन्नाटा कल टूटेगा,
जब दबे-कुचले जागेंगे,
तब हर इक पिंजरा टूटेगा,
अब छले न जाएँगे ये हक़,
अब और न शोषण झेला जाएगा,
तुम्हारी इस बेईमानी का,
एक दिन हिसाब
चुकाया जाएगा।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

लोहे का दांव...

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

कस्बे के सबसे पुराने सिद्ध हनुमान मंदिर के मुख्य सिंहद्वार की सीढ़ियों के किनारे पत्थर के भारी खंभे के पास लोहे का एक पुराना और घिसा हुआ दाव पिछले बीस सालों से जमीन में गड़ा हुआ था। उसका भारी मुड़ा हुआ फल बरसों की रगड़ और बारिश की मार से मटमैला हो चुका था पर उसकी धार पर आज भी नारियल की सूखी जटाओं के रेशे लिपटे रहते थे। मंदिर के ट्रस्टियों ने उस लोहे के औजार के चारों तरफ पीले गेंदे के फूलों की एक ताज़ा माला लपेट दी थी। उस खंभे के ठीक बगल में फटी बोरी बिछाकर हर सुबह सात बजते ही सोमेश्वर काका अपनी लकड़ी की लाठी टेककर आकर बैठ जाते थे। सफेद खद्दर का धोती-कुर्ता पहने और आँखों पर गोल पीतल की कमानी का चश्मा चढ़ाए सोमेश्वर काका दिन भर उस लोहे के दाव को अपनी कांपती उँगलियों से सहलाते रहते थे। मंदिर में सुबह से ही दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लग रही थीं, बड़े-बड़े सेठ सवा सौ नारियल फोड़ने की मन्नतें पूरी कर रहे थे और पुजारियों के मंत्रोच्चार से पूरा परिसर गूँज रहा था। उन नए श्रद्धालुओं और नारियल की मिठाई बाँटते व्यापारियों को उस कोने में गड़े लोहे के पुराने औजार से कोई सरोकार नहीं था। मंदिर का पुराना पानीवाला सुखिया जब भी पीतल की बाल्टी लेकर सीढ़ियाँ धोता तो काका की उस शांत मूरत को देखकर सहम जाता था। काका बहुत ही कांपती आवाज में उससे पूछते क्यों रे सुखिया आज नारियल दिवस के इस बड़े मेले में इस पुराने दाव से किसी किसान का सूखा जटादार नारियल छिला क्या या आज भी सिर्फ वीआईपी भक्तों की गाड़ियों पर ही प्रसाद चढ़ाया जा रहा है?सुखिया बस अपनी नजरें नीची कर लेता और एक ठंडी गहरी साँस भरकर चुपचाप आगे बढ़ जाता था।

मंदिर प्रबंधन में हाल ही में राजधानी के बड़े धार्मिक न्यास बोर्ड से नए मुख्य प्रशासक के रूप में नियुक्त होकर आए साहब राघवेंद्र शर्मा बहुत ही कड़क, आधुनिक प्रबंधन के विशेषज्ञ और मंदिर के अनुशासन के पक्के अफसर माने जाते थे। राघवेंद्र साहब जब भी अपनी चमकती हुई फाइलों के साथ वीआईपी दर्शन गैलरी का मुआयना करने निकलते तो उनकी नजर सबसे पहले उसी सीढ़ी के किनारे बैठे सोमेश्वर काका पर जाकर अटक जाती थी जिनकी आँखें हमेशा उस लोहे के दाव पर टिकी रहती थीं। राघवेंद्र साहब को विश्व नारियल दिवस के इतने बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के बीच किसी बुजुर्ग का इस तरह रोज आकर एक पुराने औजार के आगे हाथ जोड़ना अंधविश्वास और मंदिर की भव्यता को बिगाड़ने जैसा लगता था। जब दोपहर के समय महाभोग का मुख्य सत्र समाप्त हुआ और बड़े यजमान वातानुकूलित अतिथि कक्ष में भोजन के लिए चले गए तो राघवेंद्र साहब अपने सुरक्षाकर्मियों को वहीं छोड़कर सीधे सोमेश्वर काका के पास पहुँच गए। राघवेंद्र साहब ने अपनी रौबदार आवाज में बहुत ही तीखे लहजे में पूछा काका आप इस उम्र में रोज यहाँ आकर मुख्य द्वार की सुंदरता क्यों बिगाड़ रहे हैं, अगर आपको कोई अन्नक्षेत्र का टोकन या बुढ़ापा पेंशन की सिफारिश चाहिए तो भीतर दफ्तर में जाकर बाबू से मिलिए, इस तरह बाहर बैठकर जमीन में गड़े एक पुराने कबाड़ लोहे को घूरने से भगवान आपको मोक्ष नहीं दे देंगे। सोमेश्वर काका ने बहुत ही शालीनता से अपने दोनों हाथ जोड़े और कांपती आवाज में बोले ÷प्रशासक बाबू मैं किसी मुफ़्त के भोजन या पेंशन के लिए यहाँ नहीं बैठा हूँ, मैं तो बस उस दिन की बाट जोह रहा हूँ जब इस लोहे के दाव पर वह खोया हुआ संकल्प लौटेगा जो किसी जमाने में इसी मंदिर की चौखट पर मुझसे छीना गया था।

राघवेंद्र साहब को काका का यह जवाब किसी दार्शनिक पहेली जैसा लगा और उन्होंने अचरज से पूछा काका आप किस खोए हुए संकल्प की बात कर रहे हैं, मंदिर ट्रस्ट तो हर साल लाखों रुपए के नारियल खरीदकर गरीबों में प्रसाद बाँटता है, फिर आपके इस पुराने लोहे के औजार का क्या रहस्य है?पास खड़े वयोवृद्ध ज्योतिषी पंडित विद्याधर जी जो पिछले चालीस सालों से उस मंदिर के हर उतार-चढ़ाव और इतिहास के गवाह रहे थे,वे तुरंत आगे बढ़े और बोले प्रशासक साहब काका की बात को पागलपन मत समझिए,जब बीस साल पहले इस कस्बे में पहली बार विशाल नारियल बागवानी मिशन की शुरुआत हुई थी तब काका के इकलौते बेटे दामोदर ने इसी चबूतरे पर खड़े होकर एक बहुत बड़ा कीर्तिमान रचा था।राघवेंद्र साहब ने उत्सुक होकर पूछा दामोदर ने ऐसा क्या किया था जिसका नाता आज तक इस लोहे के दाव से जुड़ा हुआ है? पंडित विद्याधर ने एक लंबी साँस भरकर बताना शुरू किया साहब दामोदर उस समय पूरे जिले का सबसे बहादुर और परिश्रमी किसान नौजवान था, उसने मंदिर के आसपास की बंजर जमीनों पर नारियल के हजारों पौधे लगाकर गरीब किसानों की सहकारी समिति बनाई थी, उसने अपने हाथों से यह लोहे का दाव बनाकर यहाँ गाड़ा था और कसम खाई थी कि जब तक इस इलाके के अंतिम गरीब किसान को उसके नारियल की पूरी कीमत नहीं मिल जाएगी तब तक वह किसी बिचौलिए या व्यापारी को मंदिर के किसानों का शोषण नहीं करने देगा।÷

सोमेश्वर काका ने पंडित जी की बात को आगे बढ़ाते हुए अपनी कांपती उँगलियों से उस दाव के नुकीले सिरे को छुआ और बहुत ही मार्मिक स्वर में बोले हाँ साहब मेरे दामोदर ने उस दिन इस खंभे के पास खड़े होकर मुझसे कहा था कि बापू यह दाव केवल लोहा नहीं बल्कि इस माटी के पसीने का स्वाभिमान है, उसने वादा किया था कि जिस दिन वह दिल्ली से राष्ट्रीय नारियल बोर्ड का सबसे बड़ा किसान अधिकार पत्र लेकर लौटेगा उस दिन वह खुद आकर इस दाव से पहला श्रीफल छीलकर भगवान को चढ़ाएगा और अपने हाथों से मुझे अपनी नई सहकारी मिल की गद्दी पर बैठाएगा।

सरगुजा में आज बारिश के आसार दो दिन में 1 से 3 डिग्री गिरेगा तापमान

अंबिकापुर में 29.2 डिग्री अधिकतम और 23 डिग्री न्यूनतम तापमान, 25-26 सितंबर को बारिश बढ़ने का अनुमान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के बीच सरगुजा संभाग में अगले दो-तीन दिनों तक मौसम बदला रहेगा। अंबिकापुर समेत संभाग के कई हिस्सों में गुरुवार को हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट की संभावना जताई है। इसके बाद तापमान में विशेष बदलाव नहीं होने का अनुमान है। अंबिकापुर में पिछले 24 घंटे के दौरान 29.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहा,जो सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक है। इस दौरान शहर में करीब 1 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 24 सितंबर को संभाग के अधिकांश हिस्सों में हल्की बारिश हुई है। 25 सितंबर को भी बारिश का दौर जारी रहेगा। वहीं 26 सितंबर को भी प्रदेश में भारी बारिश के साथ गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। इसके बाद 27 सितंबर को भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है, जबकि 28 से 30 सितंबर के बीच मौसम में धीरे-धीरे सुधार के आसार हैं।

गहरे अवदाब के असर से बदला मौसम : मौसम में बदलाव का प्रमुख कारण उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और आसपास बना गहरा अवदाब है। आईएमडी के अनुसार 24 सितंबर की सुबह यह तंत्र उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के आसपास सक्रिय था तथा उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा था। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ में बारिश की गतिविधियां बढने् का अनुमान है।

सड़क़ हादसे में साले की मौत जीजा घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
सडक़ हादसे में जीजा-साला घायल हो गए। साले की अंबिकापुर लाते तक मौत हो गई। मामले में स्थानीय पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम नवानगर का आकाश राजवाड़े पिता मनीराम राजवाड़े 19 वर्ष 23 सितंबर को अपनी मोटरसायकल से जीजा दक्ष राजवाड़े के साथ बाइक का किस्त पटाने के लिए लखनपुर जाने की बात कहकर दोपहर करीब 12 बजे निकला था। मौके पर संजीवनी 108 एम्बुलेंस पहुंची और घायल को लखनपुर स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने के कारण चिकित्सक ने दोनों को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर संबद्ध अस्पताल रिफर कर दिया था। यहां आते तक आकाश की मौत हो चुकी थी। वहीं उसके जीजा दक्ष राजवाड़े को भी गंभीर चोटें आई थी। शाम 4 बजे स्वजन को सडक़ हादसे की जानकारी स्वजन को उस समय मिली जब मनीराम की पुत्री पूजा राजवाड़े ने इनके मोबाइल में फोन किया। अस्पताल से किसी ने फोन रिसीव किया और अनियंत्रित होकर गिरने से दोनों को गंभीर चोट आने की जानकारी दी। स्वजन अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि आकाश की मौत हो गई है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल से मरीजों की निगरानी पर बढ़ा दबाव

तीन दिन ओपीडी बहिष्कार से सीनियर डॉक्टरों पर बढ़ा भार, रोज करीब एक हजार मरीज पहुंचते हैं मेडिकल कॉलेज अस्पताल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में पीजी और जूनियर डॉक्टरों के तीन दिन के ओपीडी बहिष्कार से मरीजों की उपचार व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। जेडीए के बैनर तले डॉक्टरों ने अस्पताल परिसर में धरना देकर काम बंद किया है। इनके आंदोलन के चलते ओपीडी में सीनियर डॉक्टरों को मरीजों की बढ़ी संख्या संभालनी पड़ रही है। वहीं वार्डों में भर्ती मरीजों की नियमित निगरानी की जिम्मेदारी भी प्रभावित हुई है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल की ओपीडी में अवकाश के दिनों को छोडक़र रोज करीब एक हजार मरीज पहुंचते हैं। आईपीडी में भी बड़ी संख्या में मरीज भर्ती रहते हैं। पीजी और जूनियर डॉक्टर नियमित रूप से वार्डों में मरीजों की निगरानी करने के साथ गंभीर स्थिति में सीनियर चिकित्सकों को जानकारी देते हैं। ऐसे में इनके काम से दूर रहने के कारण उपचार व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। गुरुवार को मेडिसिन विभाग की ओपीडी में सीनियर चिकित्सक मरीजों की संख्या संभालते नजर आए। सामान्य दिनों में पीजी और जूनियर डॉक्टर भी ओपीडी व वार्ड की व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके हड़ताल पर जाने से मरीजों को देखने और उनकी स्थिति की निगरानी का अतिरिक्त भार सीनियर चिकित्सकों पर आ गया है।

इमरजेंसी बंद करने की चेतावनी : जेडीए ने फिलहाल तीन दिन के लिए ओपीडी सेवाओं का बहिष्कार किया है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होने की स्थिति में आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए इमरजेंसी सेवाओं से भी दूरी बनाई जा सकती है। ऐसा होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव और बढने् की आशंका है।

स्टाइपेंड से लेकर ड्यूटी और सुरक्षा तक मांगें : डॉक्टरों की मांगों में इंटर्न का स्टाइपेंड 15,900 से बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रतिमाह करना, पीजी डॉक्टरों के लिए 1.20 लाख रुपए स्टाइपेंड, बॉन्डेड एसआर और एमओ के मानदेय में वृद्धि तथा सभी कैडर में वार्षिक वेतन वृद्धि शामिल है।

इसके अलावा 48 घंटे की ड्यूटी सीमा का पालन, सुरक्षित आवास, आधुनिक उपकरण व पर्याप्त दवाएं, ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत डॉक्टरों के लिए विशेष भत्ता, जिला अस्पतालों में विशेषज्ञों की नियुक्ति और डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग भी की गई है। जेडीए का कहना है कि इन मांगों को लेकर पहले भी प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जा चुका है। बातचीत और आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित किया गया था, लेकिन मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण दोबारा आंदोलन शुरू करना पड़ा।

चिकित्सा सेवा और सामाजिक सरोकारों में योगदान के लिए डॉ. अंकिता बंसल गोयल को 'अग्र धन्वंतरि सम्मान'

महिला स्वास्थ्य,किशोरी जागरूकता और 'जापा साथी' पहल के लिए मिली सराहना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
चिकित्सा सेवा और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए संकल्प हॉस्पिटल की चिकित्सक डॉ. अंकिता बंसल गोयल को छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन की ओर से 'अग्र धन्वंतरि सम्मान' से सम्मानित किया गया। 20 सितंबर को होटल ग्रैंड वसंत में आयोजित समारोह में सांसद चिंतामणि महाराज एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल की उपस्थिति में उन्हें सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। डॉ. अंकिता बंसल गोयल चिकित्सा सेवा के साथ महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में भी कार्य कर रही हैं। उनके द्वारा लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के माध्यम से गर्भाशय से संबंधित जटिल बीमारियों का उपचार किया जाता है। आयोजकों के अनुसार ऐसी सर्जरी के लिए पहले क्षेत्र की महिलाओं को उपचार के लिए दूरस्थ शहरों का रुख करना पड़ता था। स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयासों को भी सम्मान समारोह में सराहा गया। चिकित्सा सेवा के साथ डॉ. अंकिता किशोरियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित करती हैं। स्कूलों में छात्राओं को मासिक धर्म,तनाव, व्यक्तिगत स्वास्थ्य तथा साइबर अपराध से बचाव जैसे विषयों पर जानकारी दी जाती है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उनके द्वारा 'जापा साथी' कार्यक्रम भी शुरू किया गया है। इसके तहत महिलाओं को प्रसव के बाद मां और नवजात की देखभाल, स्वच्छता, पोषण तथा आवश्यक सेवाओं से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के साथ उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सम्मान मिलने पर डॉ. अंकिता बंसल गोयल ने आयोजकों और समाज के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ सामाजिक क्षेत्र में जागरूकता और सेवा के प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

शराब के नशे में बिना लाइसेंस स्कार्पियो चलाना पड़ा महंगा

बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने पर भी कार्रवाई, न्यायालय ने लगाया 12 हजार रुपए का अर्थदंड

-संवाददाता-
बतौली,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
शराब के नशे में बिना वैध लाइसेंस और बिना सीट बेल्ट स्कार्पियो चलाना चालक को महंगा पड़ गया। बतौली पुलिस की कार्रवाई के बाद मामला न्यायालय पहुंचा, जहां वाहन चालक पर कुल 12 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया। पुलिस के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बतौली पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान स्कार्पियो क्रमांक सीजी 15 डीवाई 9795 को रोककर चालक से पूछताछ की। चालक ने अपना नाम सोनल सिंह उर्फ सुभान सिंह (26), निवासी बंगाली चौक, अंबिकापुर बताया। जांच के दौरान चालक शराब के नशे में पाया गया। मेडिकल परीक्षण कराने पर भी उसके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। पुलिस जांच में चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होने के साथ वह बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाता मिला। पुलिस ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने, शराब के नशे में ड्राइविंग,बिना सीट बेल्ट तथा बिना वैध लाइसेंस वाहन चलाने के मामले में मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184, 185, 194(बी)(1) एवं 3/181 के तहत प्रकरण दर्ज किया।

कार्रवाई के बाद प्रकरण न्यायालय में पेश किया गया, जहां न्यायालय ने वाहन चालक को 12 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। पुलिस का कहना है कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

सरगुजा पुलिस में फेरबदल,24 अधिकारी-कर्मचारियों का स्थानांतरण

थानों,चौकियों और शाखाओं में बदली जिम्मेदारियां,सीसीटीएनएस की कमान रश्मि सिंह को

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने तथा पुलिसिंग व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल द्वारा जारी आदेश के तहत जिले के विभिन्न थानों, चौकियों एवं शाखाओं में पदस्थ 24 पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया है।

सभी को नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल प्रभाव से कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार उप निरीक्षक रश्मि सिंह को रक्षित केंद्र अंबिकापुर से प्रभारी सीसीटीएनएस शाखा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सहायक उप निरीक्षक अदीप प्रताप सिंह को थाना अंबिकापुर से थाना गांधीनगर, आलोक सोनी को लखनपुर से अंबिकापुर, ललन प्रसाद गुप्ता को गांधीनगर से कमलेश्वरपुर, बैजनाथ को कमलेश्वरपुर से लखनपुर तथा गोमती प्रसाद को अजाक थाना से रक्षित केंद्र अंबिकापुर स्थानांतरित किया गया है। प्रधान आरक्षकों में विमल कुमार सिंह को यातायात शाखा से चौकी केदमा भेजा गया है, जबकि केदमा चौकी में पदस्थ नामूल राम को रक्षित केंद्र अंबिकापुर भेजा गया है। अजय पाण्डेय का थाना लखनपुर से थाना गांधीनगर तथा अमित प्रताप सिंह का थाना गांधीनगर से थाना लखनपुर स्थानांतरण किया गया है। वहीं जयदीप सिंह को रक्षित केंद्र अंबिकापुर से साइबर सेल अंबिकापुर भेजा गया है। आरक्षक स्तर पर भी स्थानांतरण किए गए हैं। अतुल शर्मा को सीतापुर से गांधीनगर, दिलीप मिंज को रक्षित केंद्र से सीतापुर,अभिषेक नायर को रक्षित केंद्र से लुण्ड्रा, सतीश चौहान एवं प्रदीप तिर्की को लुण्ड्रा से रक्षित केंद्र अंबिकापुर तथा अशोक भगत को चौकी रघुनाथपुर से रक्षित केंद्र भेजा गया है। इसी क्रम में सुनील कनौजिया को थाना मणिपुर से यातायात शाखा अंबिकापुर, दिनय सिंह आयाम को महिला थाना अंबिकापुर से यातायात शाखा तथा अंकित चौहान, लालजीत निकुंज,संत कुमार पैकरा एवं संजीत मिर्रे को यातायात शाखा से रक्षित केंद्र अंबिकापुर स्थानांतरित किया गया है। पुलिस विभाग के अनुसार यह फेरबदल प्रशासनिक आवश्यकता और जिले में कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के दृष्टिकोण से किया गया है।

प्रशिक्षित योग शिक्षकों को वितरित किए प्रमाण-पत्र

हर रविवार पंचशील होटल में लगेगा योग शिविर,शहर में योग का वातावरण बनाने का संकल्प

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
पतंजलि योग समिति छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित मुख्य योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षित योग शिक्षकों को पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्राप्त प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। पंचशील होटल अंबिकापुर में आयोजित कार्यक्रम में कैट अध्यक्ष रंजय स्वर्णकार एवं सह राज्य प्रभारी कमलेश योगी की उपस्थिति में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले योग शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

प्रमाण पत्र प्राप्त करने वालों में सुधीर पांडे, द्वितेन्द्र मिश्रा, मंगलेश श्रीवास्तव, कृष्णा ठाकुर, प्रमोद चौधरी, किशोर चौधरी, विकास पांडे, एस.एल. मालवी सहित अन्य प्रशिक्षित योग शिक्षक शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान शहर में योग को अधिक व्यापक रूप से पहुंचाने को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर उपस्थित योग शिक्षकों ने संकल्प लिया कि आने वाले दिनों में प्रत्येक रविवार को पंचशील होटल में नियमित योग शिविर का संचालन किया जाएगा। इसके माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने और शहर में नियमित योगाभ्यास का वातावरण तैयार करने का प्रयास किया जाएगा।

आयोजकों ने कहा कि नियमित योगाभ्यास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित योग शिक्षक सक्रिय भूमिका निभाएंगे तथा विभिन्न वर्गों के लोगों को योग से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जाएगा।

मधुमक्खियों के हमले में घायल वृद्ध महिला की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
उदयपुर विकासखंड के ग्राम देवटिकरा में मधुमक्खियों के हमले में घायल वृद्ध महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतिका घटना दिनांक को बहू और पोती, के साथ घर से आधा किलोमीटर दूर स्थित खेत में लगे फसल को तोडने् गई थी,उसके दोनों पुत्र पास में ही मवेशी चरा रहे थे। इलाज के बाद अन्य लोगों की स्थिति सामान्य है, और इनकी अस्पताल से छुट्टी कर दी गई है। ग्राम देवटिकरा निवासी मोहमनिया यादव 81 वर्ष अपनी बहू सोनामती, पोती आरती 4 वर्ष के साथ 22 सितम्बर को खेत में लगे फसल को तोडने् गई थी। वृद्धा का पुत्र अजय यादव 40 वर्ष और प्रताप यादव 42 वर्ष पास में ही मवशी को चरा रहे थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने इन पर हमला कर दिया। अजय यादव बच्ची को खतरे में देखकर उसे लेकर मौके से लेकर भागा, लेकिन दोनों ही मधुमक्खी के दंश की चपेट में आ गए थे। शोर सुनकर गांव के लोग कंबल लेकर पहुंचे और सभी को मधुमक्खियों के हमले से बचाए,लेकिन वृद्ध महिला मधुमक्खियों के हमले में बुरी तरह से चपेट में आ गई थी। बच्ची और दोनों पुत्र को भी मधुमक्खियों ने जख्मी कर दिया था। लखनपुर अस्पताल से रिफर करने पर इन्हें मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर संबद्ध अस्पताल लाया गया, यहां वृद्ध महिला मोहरमनिया को आईसीयू में भर्ती किया गया था। इलाज के दौरान गुरूवार की सुबह महिला की मौत हो गई। अजय व प्रताप की इलाज के बाद स्थिति सामान्य है, इन्हें चिकित्सक ने डिस्चार्ज कर दिया है।

कार से 25 हजार रुपए का सामान पार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
सडक़ के किनारे खड़ी कार का करीब 25 हजार रुपये का सामान अज्ञात चोर ने पार कर दिया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। जयस्तंभ चैक निवासी शुभम तायल पिता सुशील कुमार तायल ने पुलिस को बताया है कि, उनकी खराब होंडा सिटी कार क्रमांक सीजी 15 डीके 8330 सडक़ के किनारे खड़ी थी। 18 सितम्बर को रात्रि 11.30 बजे से 19 सितम्बर को 11 बजे के बीच अज्ञात लोगों ने कार का दोनों फाग लाइट, बम्फर, जाली सहित करीब 25 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

नशा जीवन को उजाड़ देता है, युवाओं को नशे से दूर रहने का दिलाया संकल्प

राष्ट्रीय सेवा योजना के 57 वें स्थापना दिवस पर कृषि महाविद्यालय में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के 57वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय अंबिकापुर के अधिष्ठाता डॉ. एसके सिन्हा एवं कृषि महाविद्यालय शंकरगढ़ के अधिष्ठाता डॉ. जीपी पैंकरा के मार्गदर्शन में हुआ। प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. नीलम चौकसे ने नशे के सामाजिक और मानसिक दुष्प्रभावों पर विचार रखे। आलू अनुसंधान केंद्र मैनपाट के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. पीके भगत ने युवाओं को समय का सदुपयोग कर देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि नशा मुक्ति काउंसलर अमृता जायसवाल ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। सुनिधि शुक्ला ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को सामाजिक कल्याण के लिए कार्य करने प्रेरित किया।

कार्यक्रम में डॉ. रूथ एलिजाबेथ एक्का, डॉ. एके नायक, डॉ. राहुल जायसवाल, डॉ. अर्यमा भारती, डॉ. नैनसी आकांक्षा मिंज, डॉ. अमृता गिरी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में डॉ. रंजीत सिंह ने आभार व्यक्त किया।

पिकअप के गुप्त चेंबर में छिपाकर ले जा रहे थे 109 किलो गांजा

उड़ीसा से बिहार जा रही थी खेप, 50 लाख से अधिक का गांजा बरामद; बक्सर का ड्राइवर गिरफ्तार

-संवाददाता-
बलरामपुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
उड़ीसा से बिहार ले जाई जा रही गांजे की बड़ी खेप को बलरामपुर पुलिस ने पकड़ा है। बोलेरो पिकअप के नीचे बनाए गए गुप्त चेंबर में छिपाकर रखे 109.235 किलोग्राम गांजे के 100 पैकेट पुलिस ने बरामद किए हैं। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए से अधिक बताई गई है। मामले में बिहार के बक्सर निवासी पिकअप चालक को गिरफ्तार कर न्यायालय के माध्यम से जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान सिटी कोतवाली पुलिस को पिछले कुछ दिनों से तकनीकी माध्यमों और सोशल मीडिया निगरानी के जरिए उड़ीसा से गांजे की बड़ी खेप ले जाने की सूचना मिल रही थी। 24 सितंबर की मध्य रात्रि मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग की बोलेरो पिकअप क्रमांक छ्ग॥10क्त144 में गांजा छिपाकर बिहार ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस ने अंबिकापुर मार्ग पर मोबाइल चेक पोस्ट लगाकर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध पिकअप को रोककर उसकी तलाशी ली गई। वाहन के डाले को ऊपर उठाकर जांच करने पर नीचे एक अलग से तैयार किया गया गुप्त चेंबर नजर आया। चेंबर खोलने पर उसमें गांजे के पैकेट रखे मिले। पुलिस ने गिनती और तौल की तो कुल 100 पैकेट में 109.235 किलोग्राम गांजा मिला। पुलिस ने गांजे के साथ तस्करी में इस्तेमाल पिकअप वाहन भी जब्त कर लिया। मामले में पुलिस ने योगीराज (29), पिता ऐशन शाह, निवासी ग्राम कतिकनार, वार्ड नंबर 5, थाना नवानगर, जिला बक्सर, बिहार को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ सिटी कोतवाली बलरामपुर में अपराध क्रमांक 167/2026 के तहत धारा 20(ख)(2)(ग) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक गांजे की इस खेप से जुड़े अन्य लोगों की भी पतासाजी की जा रही है। जांच में तस्करी के नेटवर्क और गांजे के स्रोत के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

CMYK

सरकारी गाड़ी,सरकारी ईंधन और निजी सफर?

आबकारी विभाग के वाहन उपयोग पर उठे सवाल

सरकारी गाड़ी से बिलासपुर तक 'निजी सफर' का दावा,लॉगबुक और ईंधन रिकॉर्ड पर नजर...

मनेन्द्रगढ़ से बिलासपुर तक सरकारी गाड़ी का सफर,अब लॉगबुक खोलेगी राज

सरकारी गाड़ी का 'निजी सफर'! लॉगबुक,ईंधन और किलोमीटर रिकॉर्ड की जांच जरूरी

आबकारी विभाग के वाहन क्रमांक CG 02 AU 1633 के उपयोग पर आरोप; लॉगबुक, ईंधन पर्ची और जीपीएस रिकॉर्ड से साफ होगी तस्वीर

सरकारी वाहन,सरकारी ईंधन और निजी आवागमन? उठे गंभीर सवाल

-रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। सरकारी संसाधन जनता के पैसे से संचालित होते हैं और उनका उपयोग निर्धारित शासकीय कार्यों के लिए किया जाना अपेक्षित है, लेकिन जब शासकीय वाहन के कथित निजी उपयोग की शिकायत सामने आती है तो सवाल केवल वाहन के चलने तक सीमित नहीं रहता,बल्कि यह भी जानना जरूरी हो जाता है कि वाहन किसके आदेश पर चला, यात्रा का उद्देश्य क्या था, ईंधन का भुगतान किस मद से हुआ और यात्रा की अनुमति किस स्तर से मिली?

इसी तरह के सवाल मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के आबकारी विभाग में शासकीय वाहन के कथित निजी उपयोग को लेकर उठ रहे हैं, आरोप है कि जिला आबकारी अधिकारी नितिन शुक्ला द्वारा शासकीय वाहन क्रमांक सीजी 02 एयू 1633 का उपयोग मनेन्द्रगढ़ से बिलासपुर स्थित निजी निवास तक आने-जाने में किया जा रहा है, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है और वास्तविक स्थिति संबंधित विभागीय अभिलेखों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है।

हर सप्ताह मनेन्द्रगढ़-बिलासपुर आवागमन का दावा-शिकायतों में दावा किया जा रहा है कि संबंधित अधिकारी शुक्रवार को शासकीय वाहन से बिलासपुर जाते हैं और सोमवार को चालक द्वारा पुनः बिलासपुर जाकर उन्हें मनेन्द्रगढ़ लाया जाता है, यदि यह आवागमन नियमित रूप से शासकीय वाहन से हो रहा है, तो सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि इन यात्राओं को किस शासकीय कार्य के अंतर्गत दर्ज किया गया है? यदि यात्राएं विभागीय निरीक्षण, बैठक, सरकारी दौरे अथवा अन्य अधिकृत कार्य से संबंधित हैं तो उनका विवरण संबंधित अभिलेखों में होना चाहिए, वहीं यदि यात्रा निजी कारणों से हुई है, तो शासकीय वाहन और ईंधन के उपयोग की वैधता का प्रश्न स्वाभाविक रूप से सामने आता है।

लॉगबुक बताएगी वाहन की असली कहानी-इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज वाहन की लॉगबुक हो सकती है, लॉगबुक में वाहन के उपयोग की तारीख, प्रारंभिक और अंतिम किलोमीटर, यात्रा का स्थान तथा उपयोग का उद्देश्य दर्ज होने की स्थिति में नियमित आवागमन की तस्वीर काफी हद तक साफ हो सकती है, इसके साथ ही ईंधन पर्चियां, किलोमीटर रीडिंग, चालक का ड्यूटी रजिस्टर, अधिकारी का दौरा कार्यक्रम और उपलब्ध होने पर वाहन का जीपीएस रिकॉर्ड भी महत्वपूर्ण साक्ष्य हो सकते हैं,मसलन,यदि शुक्रवार को मनेन्द्रगढ़ से बिलासपुर और सोमवार को बिलासपुर से मनेन्द्रगढ़ की यात्रा नियमित रूप से दर्ज है, तो यह भी देखा जा सकता है कि प्रत्येक यात्रा के सामने शासकीय कार्य का क्या कारण अंकित किया गया है, इसी तरह लॉगबुक और ईंधन रिकॉर्ड में दर्ज किलोमीटर का वास्तविक दूरी से मिलान भी किया जा सकता है।

सिर्फ शिकायत नहीं,रिकॉर्ड की जांच जरूरी-सरकारी वाहन के कथित निजी उपयोग से जुड़ा मामला फिलहाल आरोप और दावों के स्तर पर है,इसलिए किसी अधिकारी को दोषी ठहराने से पहले विभागीय रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच जरूरी है,संबंधित अधिकारी या विभाग के पास यदि वाहन उपयोग को लेकर नियम सम्मत अनुमति, शासकीय दौरे का कार्यक्रम अथवा अन्य दस्तावेज हैं तो उनका पक्ष भी सामने आना चाहिए,मामले में जांच का सबसे सीधा रास्ता यही है कि संबंधित अवधि की लॉगबुक और ईंधन रिकॉर्ड का मिलान किया जाए,इसके बाद चालक की ड्यूटी,दौरा कार्यक्रम और उपलब्ध जीपीएस रिकॉर्ड से भी इसका सत्यापन किया जा सकता है।

अब सवाल सिर्फ आरोपों का नहीं, रिकॉर्ड का है-सरकारी संसाधनों के उपयोग को लेकर पारदर्शिता तभी कायम रह सकती है जब रिकॉर्ड यह बताए कि सरकारी वाहन कहां गया, कितनी दूरी चला,किस उद्देश्य से चला और किसकी अनुमति से चला,यदि मनेन्द्रगढ़-बिलासपुर का आवागमन नियमित रूप से हुआ है तो दस्तावेजों में उसका पूरा हिसाब होना चाहिए,इसलिए अब निगाह इस बात पर है कि संबंधित विभाग लॉगबुक, ईंधन पर्चियों और ड्यूटी रिकॉर्ड की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाता है या नहीं, फिलहाल मामले में विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।

सरकारी खजाने पर कितना पड़ा बोझ?

शासकीय वाहन केवल वाहन नहीं होता। उसके साथ ईंधन, चालक का ड्यूटी समय,रखरखाव, टायर, सर्विसिंग और अन्य परिचालन खर्च भी जुड़ा होता है,इसलिए यदि वाहन का नियमित उपयोग निजी आवागमन में हुआ है तो सरकारी संसाधनों पर हुए संभावित खर्च का आकलन भी रिकॉर्ड के आधार पर किया जाना चाहिए,हालांकि फिलहाल यह कहना उचित नहीं होगा कि कितनी राशि का शासकीय नुकसान हुआ है, इसके लिए संबंधित अवधि की लॉगबुक, ईंधन खपत और भुगतान अभिलेखों की जांच जरूरी होगी।

अनुमति थी तो सामने आए आदेश

पूरे मामले में एक अहम सवाल अनुमति का भी है,यदि शासकीय वाहन का उपयोग निजी निवास तक आने-जाने के लिए नियमों के तहत अनुमत था,तो संबंधित अनुमति अथवा आदेश के आधार पर स्थिति स्पष्ट हो सकती है,यदि ऐसी कोई लिखित अनुमति है तो उसे सामने आने से विवाद का बड़ा हिस्सा स्वतः स्पष्ट हो सकता है,दूसरी ओर,यदि वाहन उपयोग की कोई अधिकृत व्यवस्था नहीं थी,तो फिर उसके औचित्य और जिम्मेदारी को लेकर विभागीय जांच का सवाल उठ सकता है।

पीजी कॉलेज बैकुंठपुर में कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला, एसपी हरीश राठौर ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। शासकीय पीजी कॉलेज बैकुंठपुर में छात्र-छात्राओं को कैरियर निर्माण,प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, साइबर सुरक्षा, यातायात नियमों तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देने के उद्देश्य से विशेष कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया, कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक कोरिया हरीश राठौर, भा.पु.से. उपस्थित रहे, कार्यक्रम में करीब 300 छात्र-छात्राओं के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। लक्ष्य तय कर नियमित तैयारी पर जोर-कार्यशाला को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर ने विद्यार्थियों को PSC, SSC, रेलवे सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया, उन्होंने कहा कि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पष्ट उद्देश्य के साथ नियमित अध्ययन, समय-प्रबंधन, अनुशासन और निरंतर प्रयास जरूरी है, विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप कैरियर का चयन करने के लिए प्रेरित किया गया,एसपी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान विद्यार्थियों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों और उनसे निपटने के उपायों पर भी संवाद किया, उन्होंने विद्यार्थियों को तैयारी के दौरान निरंतरता बनाए रखने तथा अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहने की बात कही।

अनुशासन और शिक्षा को बताया सफलता का आधार-महाविद्यालय के प्राचार्य एम.सी. हेमधर ने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति गंभीर रहने तथा महाविद्यालयीन जीवन में अनुशासन बनाए रखने के संबंध में मार्गदर्शन दिया,उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अध्ययन और भविष्य को लेकर सजग रहने का आह्वान किया, कार्यशाला में Just Right for Children की परियोजना हार्ड संस्था के जिला समन्वयक गोकरण शुक्ला ने बाल विवाह की रोकथाम एवं उसके दुष्परिणामों की जानकारी दी,साथ ही साइबर जागृति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए पुलिस एवं सहायता सेवाओं के टोल फ्री नंबरों के बारे में विद्यार्थियों को बताया गया, उन्होंने आपात स्थिति में उपलब्ध सहायता तंत्र की जानकारी भी दी।

दृष्टि कोचिंग संस्थान के निदेशक प्रशांत राजवाड़े ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रेरक उदाहरणों के माध्यम से लक्ष्य निर्धारित करने और उसके प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया, उन्होंने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान सकारात्मक सोच बनाए रखने पर जोर दिया।

खोरमा नर्सरी की सड़क बदहाल,गड्ढे दे रहे हादसों को न्योता

नर्सरी,हाउसिंग बोर्ड के मकान और पत्रकार भवन तक पहुंचने वाली सड़क जर्जर,ग्रामीणों ने मुरुम डालकर तत्काल मरम्मत की मांग की

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर/प्रतापपुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खोरमा स्थित उद्यान नर्सरी तक पहुंचने वाली सड़क लंबे समय से बदहाली का शिकार है,सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं,जो बारिश के बाद तालाबनुमा नजर आते हैं। ऐसे में इस मार्ग से आवागमन करने वाले ग्रामीणों,नर्सरी के कर्मचारियों और अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। खोरमा नर्सरी के अलावा इसी क्षेत्र में हाउसिंग बोर्ड के रिहाइशी मकान और पत्रकार भवन भी स्थित हैं, इसके बावजूद सड़क की स्थिति में सुधार नहीं होने से लोगों में नाराजगी है, ग्रामीणों और कर्मचारियों के अनुसार मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना होता है,लेकिन सड़क पर बने गड्ढों की मरम्मत को लेकर अब तक ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही है।

बारिश में गड्ढे बन रहे तालाब-सड़क पर बने बड़े गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है, ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों को विशेष सावधानी के साथ आवागमन करना पड़ता है, ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि वाहन चालकों को गड्ढों से बचने के लिए रास्ता बदलकर निकलना पड़ता है,ग्रामीणों के अनुसार,यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है,उनका कहना है कि नर्सरी और आसपास के रिहाइशी क्षेत्र होने के कारण इस मार्ग का महत्व सामान्य ग्रामीण सड़क से अधिक है।

निर्माण नहीं तो कम से कम मुरुम से हो मरम्मत- ग्रामीणों ने तत्काल राहत के तौर पर सड़क के गड्ढों में मुरुम डालकर समतलीकरण कराने की मांग की है, उनका कहना है कि यदि फिलहाल सड़क का स्थायी निर्माण या डामरीकरण संभव नहीं है तो गड्ढों को भरकर मार्ग को चलने लायक बनाया जा सकता है।

ग्रामीणों के मुताबिक मामूली मरम्मत से भी फिलहाल आवागमन की समस्या कम की जा सकती है और संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है।

बदलते रहे जिम्मेदार,सड़क की हालत जस की तस-ग्रामीणों का कहना है कि शासन और पंचायत स्तर पर समय-समय पर बदलाव होते रहे,लेकिन खोरमा नर्सरी तक पहुंचने वाली सड़क की बदहाली में कोई खास बदलाव नहीं आया,लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब होने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है,ग्रामीणों और कर्मचारियों ने संबंधित पंचायत एवं विभागीय जिम्मेदारों से सड़क का निरीक्षण कर तत्काल गड्ढों की मरम्मत और आवश्यक सुधार कार्य कराने की मांग की है,उनका कहना है कि बरसात के दौरान स्थिति और खराब होने से पहले यदि कार्रवाई की जाती है तो लोगों को राहत मिल सकती है।

चार भैंसों को पैदल हांककर ले जा रहे थे,तीन गिरफ्तार

पूछताछ में झारखंड के बूचड़खाने ले जाने की बात सामने आई,लुण्ड्रा पुलिस ने 4 रास मवेशी किए बरामद

-संवाददाता-

लुण्ड्रा,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। दोरना गांव में चार भैंसों को कथित रूप से क्रूरता पूर्वक पैदल हांककर ले जा रहे दो युवकों से ग्रामीणों की पूछताछ के बाद मवेशी तस्करी का मामला सामने आया। सूचना पर पहुंची लुण्ड्रा पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई तो मवेशियों को खरीदने वाले एक अन्य व्यक्ति का नाम सामने आया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चार रास भैंसा बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मवेशियों को झारखंड के बूचड़खाने ले जाने की तैयारी थी। मामला 15 सितंबर 2026 का है।

ग्राम पंचायत दोरना में ग्रामीणों ने चार मवेशियों को पैदल हांककर ले जाते कुछ लोगों को देखा। संदेह होने पर उनसे पूछताछ की गई। पूछताछ में राहुल (20) और राजकुमार (23),दोनों निवासी तुरियाबीरा, थाना लुण्ड्रा ने मवेशियों को उदारी निवासी बसारत अंसारी को बेचने की बात बताई। साथ ही मवेशियों को झारखंड के बूचड़खाने ले जाने की जानकारी सामने आई। ग्रामीण की रिपोर्ट पर लुण्ड्रा पुलिस ने संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आरोपियों से पूछताछ की। उनकी निशानदेही पर चार रास भैंसा बरामद कर जब्त किए गए। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने मवेशियों को क्रूरता पूर्वक पैदल हांककर बसारत अंसारी के पास ले जाकर बेचने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने मामले में शामिल बताए गए उदारी निवासी बसारत अंसारी (52) को पकड़ा। पुलिस के अनुसार पूछताछ में उसने मवेशियों को खरीदने और उन्हें बूचड़खाने ले जाने की बात स्वीकार की।

अपराध में संलिप्तता के साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक असफाक अहमद अंसारी, सहायक उप निरीक्षक सत्यनारायण सिंह मरावी, प्रधान आरक्षक मानिक राम, आरक्षक शिवप्रसाद खलखो, धीरेन्द्र कुमार, इबनूल खान एवं रियाजुल खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्टंटबाजों पर पुलिस की गाज,चालक के खिलाफ एफआईआर

एक्सयूवी-700 के दरवाजे और सनरूफ खोलकर एनएच-343 पर कर रहा था खतरनाक ड्राइविंग,वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई

-संवाददाता-

बलरामपुर-रामानुजगंज,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। सोशल मीडिया पर रील्स बनाकर वाहवाही लूटने के चक्कर में सड़क पर खतरनाक स्टंट करना एक युवक को भारी पड़ गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-343 पर महिंद्रा एक्सयूवी-700 के चारों दरवाजे और सनरूफ खोलकर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के मामले में बलरामपुर पुलिस ने चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने और समाचार पत्रों में मामला सामने आने के बाद पुलिस ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार 19 सितंबर को नगर सेना तिराहा सेमली के पास एनएच-343 पर महिंद्रा एक्सयूवी-700 क्रमांक CG 30 F 7388 का चालक सुनील गुप्ता, निवासी ग्राम अधौरा, थाना बलरामपुर, अपने चार अन्य साथियों के साथ वाहन चला रहा था।

इस दौरान वाहन के चारों दरवाजे और सनरूफ खुले हुए थे तथा चालक द्वारा सड़क पर खतरनाक तरीके से ड्राइविंग की जा रही थी। इस तरह वाहन चलाने से कार में सवार लोगों के साथ सड़क से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई थी। घटना का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के साथ समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हुईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने 23 सितंबर को वाहन चालक के खिलाफ थाना सिटी कोतवाली बलरामपुर में अपराध क्रमांक 166/2026 दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 281 बीएनएस तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 एवं 194(बी)(1) के तहत कार्रवाई शुरू की है।

ब्लॉक मुख्यालय की सड़कें हुई जर्जर, बंद स्ट्रीट लाइटों से पसरा अंधेरा

धुम्माडांड़, कॉलेज मार्ग, उरांवपारा व फारेस्ट चौक से तहसील कार्यालय मार्ग अत्यंत जर्जर

धुम्माडांड़,कॉलेज मार्ग,उरांवपारा और फारेस्ट चौक से तहसील कार्यालय तक बदहाल सड़कें; तीन साल पहले स्वीकृत सीसी सड़क अब तक अधूरी

राजन पाण्डेय

सोनहत,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। विकासखंड मुख्यालय सोनहत में सड़क और प्रकाश व्यवस्था की बदहाली अब आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। मुख्य मार्गों से लेकर वार्डों की सड़कों और रिहायशी इलाकों की गलियों तक जगह-जगह गड्ढे नजर आ रहे हैं, दूसरी ओर कई स्थानों पर लगी स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद पड़ी हैं, ऐसे में सूर्यास्त के बाद कई प्रमुख मार्गों और वार्डों में अंधेरा छा जाता है, जर्जर सड़क और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से पैदल राहगीरों के साथ दुपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धुम्माडांड़ मुख्य मार्ग की हालत खराब

सोनहत ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाला धुम्माडांड मुख्य मार्ग क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण आवागमन मार्ग है,यह मार्ग आसपास के कई गांवों को सोनहत मुख्यालय से जोड़ता है,लेकिन सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है,ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की आवश्यक मरम्मत नहीं होने के कारण इसकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। मार्ग के सुधार की मांग अब लगातार उठ रही है।

कॉलेज मार्ग पर विद्यार्थियों को भी परेशानी

भारत नदी से कॉलेज और आगे हसदो नदी तक जाने वाला मार्ग भी जर्जर स्थिति में बताया जा रहा है, इस मार्ग से विद्यार्थियों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीणों का आवागमन होता है,सड़क पर बने गड्ढों के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है, रात में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण इस मार्ग की स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है,स्थानीय लोगों ने सड़क की मरम्मत के साथ बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को भी दुरुस्त कराने की मांग की है।

हादसों को दावत दे रहे सड़क के गड्ढे- सोनहत मुख्यालय के कई मार्ग लंबे समय से मरम्मत के इंतजार में हैं, सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है,स्थानीय लोगों के अनुसार दुपहिया वाहन चालकों के लिए ऐसे मार्गों से गुजरना विशेष रूप से जोखिम भरा हो गया है, रात के समय सड़क पर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से परेशानी और बढ़ जाती है, स्थानीय लोगों का कहना है कि अंधेरे में गड्ढे दिखाई नहीं देने के कारण कई बार वाहन चालक गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं।

उरांवपारा में तीन साल से स्वीकृति के बाद भी सड़क का इंतजार- उरांवपारा पहुंच मार्ग की स्थिति भी ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है,स्थानीय लोगों के अनुसार पिछली सरकार के कार्यकाल में लगभग एक किलोमीटर के आसपास पक्की सड़क का निर्माण कराया गया था,लेकिन इसके आगे बस्ती तक पहुंचने वाला मार्ग अब भी खराब है, बरसात के दौरान इस मार्ग पर कीचड़ और फिसलन के कारण ग्रामीणों को परेशानी होती है, बारिश खत्म होने के बाद सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे आवागमन में बाधा बनते हैं, ग्रामीणों का कहना है कि उरांवपारा बस्ती तक सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है। इसी क्रम में पूर्व विधायक द्वारा करीब 100 मीटर सीसी सड़क निर्माण की स्वीकृति दी गई थी,ग्रामीणों के अनुसार इसकी राशि करीब तीन वर्ष पहले जारी हो चुकी है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, राशि जारी होने के बावजूद सड़क निर्माण नहीं होने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है, उनका सवाल है कि जब कार्य की स्वीकृति और राशि उपलब्ध है तो निर्माण कार्य अब तक लंबित क्यों है।

फारेस्ट चौक से तहसील कार्यालय मार्ग भी बदहाल- फारेस्ट चौक से तहसील कार्यालय तक जाने वाले मार्ग की स्थिति भी खराब बताई जा रही है, तहसील कार्यालय के आसपास सड़क पर कई स्थानों पर गड्ढे हैं, स्थानीय लोगों के अनुसार लंबे समय से सड़क की समुचित मरम्मत नहीं कराई गई है,इसके साथ ही इस मार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइटों के बंद होने से शाम और रात के समय लोगों की परेशानी बढ़ जाती है, तहसील कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण स्थान को जोड़ने वाले मार्ग की स्थिति सुधारने की मांग भी स्थानीय लोगों द्वारा की जा रही है।

बंद स्ट्रीट लाइटों से बढ़ी परेशानी- सोनहत के कई वार्डों और प्रमुख मार्गों पर स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी होने की शिकायत सामने आ रही है,स्थानीय लोगों के अनुसार खराब लाइटों को सुधारने या बदलने की मांग कई बार संबंधित जिम्मेदारों तक पहुंचाई गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ, सड़क पर गड्ढे और ऊपर से अंधेरा होने के कारण रात में आवागमन करने वालों को विशेष परेशानी होती है, लोगों का कहना है कि स्ट्रीट लाइटों का नियमित रखरखाव नहीं होने से सरकारी संसाधनों का उद्देश्य भी प्रभावित हो रहा है।

मूलभूत सुविधाओं के रखरखाव पर उठे सवाल- स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क और प्रकाश व्यवस्था किसी भी ब्लॉक मुख्यालय की बुनियादी सुविधाओं में शामिल है, मुख्यालय के प्रमुख मार्गों और वार्डों में नियमित मरम्मत तथा स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव होना चाहिए, लोगों का आरोप है कि शिकायतों और मांगों के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है, ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से जर्जर सड़कों की तत्काल मरम्मत,उरांवपारा में स्वीकृत 100 मीटर सीसी सड़क का निर्माण तथा बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराने की मांग की है,अब देखना होगा कि लंबे समय से लंबित इन समस्याओं के समाधान के लिए जिम्मेदार विभाग कब ठोस कदम उठाता है।

पी.एस. एकेडमी में करियर गाइडेंस टॉक शो का आयोजन

नेशनल आयुर्वेद दिवस पर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद और मेडिकल क्षेत्र में करियर की संभावनाओं की दी जानकारी

-संवाददाता-
कोरिया/पटना,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। नेशनल आयुर्वेद दिवस के अवसर पर पी.एस. एकेडमी, शंकर नगर, पटना-84 में पी.एस. एकेडमी करियर गाइडेंस टॉक शो - सेकंड शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आयुर्वेद, मेडिकल साइंस तथा भविष्य में उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम में डॉ. रितेश कुशवाहा (बीएएमएस) एवं डॉ. दीपक कुशवाहा (बीएएमएस) ने विद्यार्थियों से संवाद किया, उन्होंने आयुर्वेद एवं मेडिकल क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ करियर की संभावनाओं के बारे में जानकारी साझा की, विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को अपने रुचि के क्षेत्र को पहचानने तथा करियर को लेकर सही दिशा में तैयारी करने के महत्व के बारे में बताया।

विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से पूछे सवाल- कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने का अवसर मिला, विद्यार्थियों ने मेडिकल एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में शिक्षा और करियर से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, प्रश्नोत्तर सत्र (क्यू एंड ए) में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया, इस अवसर पर विद्यालय की ओर से दोनों डॉक्टरों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम में पी.एस. एकेडमी के निदेशक इंजीनियर प्रदीप साहू एवं प्राचार्य सोनाक्षी तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विद्यार्थियों को सही करियर दिशा देने की पहल- कार्यक्रम का संचालन एवं मंच संचालन श्रेया मैम द्वारा किया गया, उन्होंने पूरे कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया, विद्यालय प्रबंधन की ओर से कहा गया कि विद्यार्थियों को समय पर सही करियर संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना उनके भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेषज्ञों के साथ संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्रों की शिक्षा और करियर संभावनाओं को समझने का अवसर मिलता है, पी.एस. एकेडमी द्वारा आयोजित इस करियर गाइडेंस टॉक शो में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही,कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य के लिए जागरूक और बेहतर करियर विकल्पों के प्रति मार्गदर्शित करना रहा।

आयुर्वेद दिवस पर विद्यार्थियों ने रचनात्मक गतिविधियों से दिया स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

चित्रकला,पोस्टर और भाषण प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा,रसोई के मसालों से सजी आकृति बनी आकर्षण का केंद्र

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर पुराना जिला चिकित्सालय स्थित स्पेस्लाइज्ड थेरेपी सेंटर परिसर में एक दिवसीय निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, शिविर के दौरान विद्यार्थियों को आयुर्वेद और स्वास्थ्य संबंधी विषयों से जोड़ने के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिला आयुष कार्यालय की ओर से आयुर्वेद, औषधीय पौधों,औषधीय मसालों और आयुर्वेद में नवाचार जैसे विषयों पर चित्रकला,पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिताएं कराई गईं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, विद्यार्थियों ने चित्रों और पोस्टरों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आयुर्वेद के महत्व से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित भी किया गया।

चित्रों और पोस्टरों में दिखी रचनात्मकता- चित्रकला और पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद से जुड़े विभिन्न विषयों को अपनी कल्पनाशीलता के माध्यम से प्रस्तुत किया, प्रतियोगिता के लिए निर्धारित विषयों के अनुरूप विद्यार्थियों ने चित्रों के जरिए स्वस्थ जीवनशैली और आयुर्वेद के प्रति जागरूकता का संदेश देने का प्रयास किया, आयुर्वेद से जुड़े विषयों को विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति से जोड़ने का यह प्रयास स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को सरल और सहज तरीके से प्रस्तुत करने का माध्यम बना, विद्यार्थियों के लिए यह गतिविधि केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्हें आयुर्वेद और स्वास्थ्य के विषयों को समझने तथा अपने विचारों को चित्रों के माध्यम से व्यक्त करने का अवसर भी मिला।

रसोई के मसालों से बनाई आकर्षक आकृति- कार्यक्रम में सबसे अलग और आकर्षक गतिविधियों में से एक रोजमर्रा की रसोई में उपयोग होने वाले मसालों से तैयार की गई आकृति रही,विद्यार्थियों ने विभिन्न मसालों को व्यवस्थित तरीके से सजाकर एक आकर्षक आकृति तैयार की,आकृति के दोनों ओर अलग-अलग मसालों के नमूने और उनके नाम प्रदर्शित किए गए,इस प्रदर्शनी का उद्देश्य लोगों को घर में सामान्य रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले मसालों की पहचान कराने और उनके पारंपरिक उपयोग से परिचित कराने का प्रयास था, प्रदर्शनी देखने पहुंचे लोगों,विशेषकर विद्यार्थियों ने इसमें रुचि दिखाई,मसालों को केवल रसोई में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के रूप में देखने के बजाय उनके पारंपरिक उपयोग और आयुर्वेद से जुड़े पहलुओं को समझने का अवसर मिला,मसालों से तैयार की गई आकृति ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को रोचक तरीके से लोगों तक पहुंचाने का काम किया। प्रदर्शनी के माध्यम से यह संदेश सामने आया कि स्वास्थ्य जागरूकता के लिए जानकारी हमारे आसपास मौजूद सामान्य चीजों से भी शुरू की जा सकती है।

भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रखे विचार- आयोजन के दौरान भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, इसमें विद्यार्थियों ने औषधीय पौधों और दैनिक जीवन में स्वास्थ्य के महत्व जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए,विद्यार्थियों ने आयुर्वेद से संबंधित विषयों पर अपनी जानकारी साझा करते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर विचार रखे, भाषण प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को मंच पर अपने विचार व्यक्त करने और आयुर्वेद से जुड़े विषयों को अपनी समझ के अनुसार प्रस्तुत करने का अवसर दिया,इससे विद्यार्थियों की रचनात्मकता के साथ उनकी अभिव्यक्ति क्षमता को भी मंच मिला।

स्वास्थ्य जागरूकता के साथ रचनात्मकता को मंच- आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित इन गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि स्वास्थ्य जागरूकता को विद्यार्थियों की रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा गया,चित्रकला और पोस्टर के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपने विचारों को दृश्य रूप में प्रस्तुत किया,जबकि भाषण प्रतियोगिता में उन्होंने आयुर्वेद और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर विचार व्यक्त किए, वहीं मसालों की प्रदर्शनी ने रोजमर्रा की जिंदगी में उपयोग होने वाली वस्तुओं के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को समझने का अवसर दिया,इससे कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों और लोगों के लिए आयुर्वेद से जुड़े विषयों को सरल एवं रोचक तरीके से जानने का अवसर मिला।

प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित- प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को कार्यक्रम के दौरान प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया,इससे विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ा और उन्हें स्वास्थ्य तथा आयुर्वेद से जुड़े विषयों पर आगे भी रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिला,जिला आयुष कार्यालय द्वारा आयोजित इस पहल में विद्यार्थियों की भागीदारी के माध्यम से आयुर्वेद,औषधीय पौधों और औषधीय मसालों से संबंधित जानकारी को जनजागरूकता से जोड़ने का प्रयास किया गया, आयोजन ने यह भी दिखाया कि विद्यार्थियों को सहभागी बनाकर स्वास्थ्य संबंधी संदेशों को अधिक सरल, रचनात्मक और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है,11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए सीखने,अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और स्वास्थ्य संबंधी विषयों को समझने का अवसर बना, चित्रकला, पोस्टर,भाषण और मसालों की प्रदर्शनी जैसी गतिविधियों के जरिए आयोजन में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता के साथ विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान किया गया।

मेरा स्कूल-मेरी जिम्मेदारी बनी मिसाल,प्रधानपाठक की पहल पर समाजसेवी ने सभी बच्चों को बांटे स्कूल बैग

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। जब शिक्षक विद्यालय को समुदाय से जोड़ने की पहल करता है और समाज उस पहल में सहभागी बनता है, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की नई राह बनती है,सूरजपुर के शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ में इन दिनों ऐसी ही सामाजिक सहभागिता की तस्वीर देखने को मिल रही है। विद्यालय के प्रधानपाठक गौतम शर्मा द्वारा विद्यालय को समाज से जोड़ने और बच्चों की आवश्यकताओं को जनसहयोग से पूरा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से स्थानीय स्तर पर लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, इसी क्रम में सूरजपुर के समाजसेवी एवं साहू बोरवेल के संचालक मुकेश साहू ने विद्यालय में अध्ययनरत सभी बच्चों के लिए स्कूल बैग उपलब्ध कराए और बच्चों के बीच उनका वितरण किया, प्रधानपाठक गौतम शर्मा ने विद्यालय की आवश्यकताओं और बच्चों की जरूरतों को समाज के

सामने रखते हुए मेरा स्कूल-मेरी जिम्मेदारी की भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, उनका उद्देश्य विद्यालय को केवल शिक्षक और शिक्षा विभाग तक सीमित न रखते हुए स्थानीय समुदाय को भी उसकी विकास यात्रा का सहभागी बनाना है, इसी पहल से प्रेरित होकर मुकेश साहू ने विद्यालय के सभी बच्चों के लिए स्कूल बैग उपलब्ध कराने का निर्णय लिया,स्कूल बैग मिलने पर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी, बच्चों के लिए यह सिर्फ एक उपयोगी शैक्षणिक सामग्री नहीं, बल्कि समाज की ओर से मिले स्नेह,सहयोग और प्रोत्साहन का संदेश भी रहा।

चट्टीडांड़ विद्यालय में सामने आई यह पहल इस बात का उदाहरण है कि सरकारी स्कूलों के विकास में समुदाय की भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, स्थानीय नागरिक, समाजसेवी, व्यवसायी और सामाजिक संगठन यदि अपने आसपास के विद्यालयों से जुड़कर बच्चों की जरूरतों में सहयोग करें, तो विद्यालय और समाज के बीच संबंध और मजबूत हो सकते हैं,प्रधानपाठक गौतम शर्मा का कहना है कि विद्यालय केवल शिक्षकों का कार्यस्थल नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के बच्चों के भविष्य निर्माण का केंद्र है,इसलिए विद्यालय के विकास में समाज की भागीदारी बढ़ाना जरूरी है,उनका प्रयास है कि बच्चों की जरूरतों को समझते हुए समाज के सहयोग से विद्यालय में सकारात्मक और प्रेरक वातावरण तैयार किया जाए, चट्टीडांड़ विद्यालय में स्कूल बैग वितरण की यह पहल इसी विचार को आगे बढ़ाती है कि मेरा स्कूल - मेरी जिम्मेदारी केवल एक वाक्य न रहकर व्यवहार में दिखाई दे। जब समाज अपने आसपास के सरकारी विद्यालय को अपना विद्यालय मानकर बच्चों के लिए आगे आता है, तो सहयोग की छोटी-सी पहल भी बच्चों के मन में बड़ा विश्वास पैदा करती है।

सूरजपुर पदस्थ व्याख्याता को सोनहत बीईओ का प्रभार देने पर उठे सवाल

शासन के निर्देशों के बावजूद शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्य में लगाने का आरोप

स्थानीय अधिकार्रियों की अनदेखी कर बाहरी जिले से प्रभार देने पर विवाद

सूरजपुर के व्याख्याता की सोनहत में 'पैराशूट लैंडिंग' कमरो ने शिक्षा सचिव से मांगा नियमों का हिसाब

स्थानीय शिक्षकों-अधिकारियों की अनदेखी का आरोप,गैर-शैक्षणिक कार्य में शिक्षकों को लगाने के निर्देशों के बीच प्रभार देने पर उठा सवाल

सूरजपुर के व्याख्याता को सोनहत बीईओ का प्रभार, 'पैराशूट लैंडिंग' पर कमरो ने उठाए सवाल

स्थानीय अधिकारी दरकिनार,बाहर से प्रभार क्यों? शिक्षा विभाग में 'पैराशूट लैंडिंग' पर सवाल

शिक्षक स्कूल में पढ़ाए या दफ्तर संभाले? सोनहत बीईओ प्रभार पर कमरो का सवाल

नियमों की दुहाई, फिर भी संलग्नीकरण! सोनहत बीईओ प्रभार को लेकर शिक्षा विभाग घिरा

सोनहत बीईओ की कुर्सी पर 'बाहरी' प्रभार,पूर्व विधायक कमरो ने शिक्षा सचिव से मांगा जवाब

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़/कोरिया,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
राजनीति में अब तक 'पैराशूट प्रत्याशी' शब्द खूब सुना गया था–ऐसा प्रत्याशी जो स्थानीय जमीन की जानकारी से पहले चुनावी मैदान में उतर जाए, लेकिन एमसीबी-कोरिया के शिक्षा विभाग में अब 'पैराशूट लैंडिंग' शब्द प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों के साथ चर्चा में है, फर्क सिर्फ इतना है कि यहां पैराशूट लेकर कोई चुनाव लड़ने नहीं आया, बल्कि आरोप यह है कि महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारी के लिए स्थानीय व्यवस्था को पीछे छोड़कर दूसरे जिले में पदस्थ शिक्षक को सीधे प्रभार की कुर्सी तक पहुंचा दिया गया। मामला सूरजपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णपुर में पदस्थ व्याख्याता हजारी लाल चक्रधारी को सोनहत विकासखंड शिक्षा अधिकारी का प्रशासनिक प्रभार दिए जाने से जुड़ा है, पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इस मामले को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को ज्ञापन भेजते हुए नियमों, प्रशासनिक आवश्यकता और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अधिकारियों की स्थिति पर जवाब मांगा है, यानी सवाल सिर्फ यह नहीं है कि प्रभार किसे मिला, सवाल यह भी है कि क्यों मिला, किस नियम से मिला और स्थानीय स्तर पर कौन उपलब्ध था?

सचिवालय का आदेश बनाम जमीन पर व्यवस्था-मामले का सबसे दिलचस्प पहलू यही है कि एक तरफ शासन स्तर पर शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाने से बचने की बात कही जाती है,दूसरी तरफ एक विद्यालय में पदस्थ व्याख्याता को दूसरे जिले के विकासखंड में प्रशासनिक जिम्मेदारी देने का मामला सामने आता है, यहीं से व्यवस्था पर व्यंग्यात्मक सवाल उठता है–क्या अब शिक्षक की नियुक्ति स्कूल में पढ़ाने के लिए और प्रभार कार्यालय चलाने के लिए होगा? यदि शिक्षक को पढ़ाना है तो उसे विद्यालय में होना चाहिए,यदि प्रशासनिक पद संभालना है तो फिर यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि वह किस संवर्ग के पद पर,किस नियम के तहत और किस प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर जिम्मेदारी संभाल रहा है, पूर्व विधायक कमरो ने इसी विरोधाभास को अपने ज्ञापन में उठाया है,उनका कहना है कि विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सोनहत में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अधिकारियों और कर्मचारियों की स्थिति क्या थी तथा दूसरे जिले में पदस्थ व्याख्याता को प्रभार देने की आवश्यकता क्यों पड़ी।

21 सितंबर के आदेश ने खड़ा किया बड़ा सवाल-आपके द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार 21 सितंबर 2026 के संयुक्त संचालक,सरगुजा संभाग के आदेश से कृष्णपुर,जिला सूरजपुर में पदस्थ व्याख्याता हजारी लाल चक्रधारी को सोनहत विकासखंड शिक्षा अधिकारी का प्रशासनिक प्रभार दिया गया, यहीं से विवाद ने तूल पकड़ा,सवाल यह है कि सोनहत कोई ऐसा निर्जन प्रशासनिक द्वीप नहीं है जहां विभाग को अधिकारी खोजने के लिए दूसरे जिले तक जाना पड़ा हो,एमसीबी और कोरिया में शिक्षा विभाग का अपना प्रशासनिक ढांचा है, यहां वर्षों से काम कर रहे अधिकारी और कर्मचारी भी हैं,ऐसे में स्वाभाविक सवाल है स्थानीय स्तर पर पात्रता रखने वाले अधिकारी उपलब्ध थे या नहीं? अगर थे तो उन्हें जिम्मेदारी क्यों नहीं दी गई? अगर नहीं थे तो विभाग यह तथ्य सार्वजनिक क्यों नहीं करता कि स्थानीय स्तर पर उपयुक्त अधिकारी उपलब्ध नहीं था? और यदि बाहर से प्रभार देना ही जरूरी था,तो विद्यालय में पदस्थ व्याख्याता को ही प्रशासनिक जिम्मेदारी देने का आधार क्या था? यही वे सवाल हैं जिनका जवाब आदेश से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है।

विभाग की अपनी वेबसाइट पर पदोन्नति और वरिष्ठता की प्रक्रिया जारी

स्कूल शिक्षा विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर वर्ष 2026 में विभिन्न संवर्गों की वरिष्ठता सूची, पदोन्नति और प्रशासनिक पदों से संबंधित प्रक्रियाएं प्रकाशित हुई हैं, पोर्टल पर छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती तथा पदोन्नति नियम 2026 भी उपलब्ध है,साथ ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी/सहायक संचालक संवर्ग की वरिष्ठता सूची से संबंधित सूचनाएं भी प्रकाशित की गई हैं,यानी विभाग के पास संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति की औपचारिक व्यवस्था मौजूद है, फिर सवाल और सीधा हो जाता है–जब प्रशासनिक पदों के लिए विभागीय संवर्ग और वरिष्ठता की व्यवस्था है, तो प्रभार देने के निर्णय का आधार क्या था? इसका जवाब संबंधित आदेश और सेवा नियमों के परीक्षण से ही सामने आएगा।

'गैर-शैक्षणिक कार्य' से दूर रखने के निर्देश का हवाला

पूर्व विधायक कमरो ने अपने ज्ञापन में 23 जून 2026 की स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक तथा 25 जून 2026 के लोक शिक्षण संचालनालय के पत्र का हवाला देते हुए शिक्षकों को उनके मूल शैक्षणिक दायित्व से हटाकर गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने से बचने की बात उठाई है, यहां फिर व्यवस्था के सामने एक सवाल खड़ा होता है,यदि शिक्षक को गैर-शैक्षणिक कार्य से बचाने की नीति है,तो प्रशासनिक प्रभार की ऐसी व्यवस्था को किस श्रेणी में रखा जाएगा? हालांकि यह भी महत्वपूर्ण है कि किसी शिक्षक को प्रशासनिक प्रभार दिया जाना स्वतः नियमविरुद्ध है,ऐसा निष्कर्ष केवल इस आधार पर नहीं निकाला जा सकता, इसके लिए संबंधित आदेश,प्रभार की अवधि,सेवा संवर्ग,लागू नियम और विभागीय आवश्यकता को देखना जरूरी होगा,यही कारण है कि कमरो ने सीधे तौर पर नियमों की जांच और स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

शिक्षक पढ़ाएगा या बीईओ कार्यालय चलाएगा?-स्कूल शिक्षा विभाग के सामने सबसे बड़ा व्यावहारिक सवाल शिक्षक के मूल दायित्व से जुड़ता है,व्याख्याता की मूल जिम्मेदारी विद्यार्थियों को पढ़ाना है। दूसरी ओर विकासखंड शिक्षा अधिकारी का काम प्रशासनिक है–शिक्षा संस्थानों की निगरानी, विभागीय समन्वय,योजनाओं का क्रियान्वयन और प्रशासनिक कार्यों से जुड़ी जिम्मेदारियां इसमें आती हैं,अब यदि किसी विद्यालय में पदस्थ व्याख्याता को विकासखंड स्तर की प्रशासनिक जिम्मेदारी दे दी जाती है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि उनके मूल विद्यालय का क्या होगा? क्या वहां उनकी कक्षाएं चलेंगी? क्या वे नियमित रूप से विद्यार्थियों को पढ़ा पाएंगे? क्या उनकी जगह कोई अन्य शिक्षक उपलब्ध कराया गया है? या फिर व्यवस्था यह मानकर चल रही है कि एक कुर्सी पर बैठने से दूसरी कुर्सी अपने आप संभल जाएगी? यही वह बिंदु है जहां मामला सिर्फ पदस्थापना का नहीं रह जाता,बल्कि शैक्षणिक व्यवस्था बनाम प्रशासनिक व्यवस्था का प्रश्न बन जाता है।

'स्थानीय अधिकारी कहां हैं?'—सबसे बड़ा सवाल- इस विवाद का दूसरा पहलू स्थानीय अधिकारियों को लेकर है, पूर्व विधायक का कहना है कि एमसीबी और कोरिया में लंबे समय से काम कर रहे अनुभवी अधिकारी और शिक्षक उपलब्ध हैं, यदि यह तथ्य सही है तो विभाग को यह बताना होगा कि उन्हें दरकिनार करने की आवश्यकता क्यों पड़ी, किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था में स्थानीय अनुभव अपने आप में अंतिम पात्रता नहीं होता,लेकिन पद की पात्रता,वरिष्ठता,संवर्ग और प्रशासनिक आवश्यकता को पारदर्शी तरीके से सामने रखना जरूरी होता है, वरना सवाल उठते हैं और सवालों के बीच आदेश छोटा पड़ जाता है।

'पैराशूट लैंडिंग' पर बढ़ी स्थानीय नाराजगी-पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने बाहर से अधिकारी अथवा कर्मचारी लाकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने की स्थिति को 'पैराशूट लैंडिंग' की संज्ञा दी है, यह उनका राजनीतिक आरोप/रूपक है,कोई आधिकारिक प्रशासनिक श्रेणी नहीं, लेकिन इस शब्द ने उस बहस को जरूर सामने ला दिया है जो अक्सर सरकारी कार्यालयों में दबे स्वर में होती है की क्या स्थानीय स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता और अनुभव के अनुरूप अवसर मिल रहा है? यदि किसी बाहरी जिले के कर्मचारी को प्रभार देना नियमसम्मत और प्रशासनिक आवश्यकता पर आधारित है तो विभाग को नियम और कारण स्पष्ट करने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए, और यदि स्थानीय स्तर पर पात्र अधिकारी उपलब्ध नहीं थे, तो यह भी बताया जा सकता है, असल समस्या आदेश से ज्यादा आदेश की पारदर्शिता को लेकर है।

एमसीबी-कोरिया में योग्य शिक्षक होने के बावजूद सूरजपुर से डीईओ-बीईओ क्यों?

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उठाए सवाल,मनेंद्रगढ़ खड़गवां,सोनहत और भरतपुर में स्थानीय शिक्षकों की अनदेखी का लगाया आरोप

संलग्नीकरण बंद करने का आदेश और फिर नई व्यवस्था?-कमरो ने अपने ज्ञापन में संलग्नीकरण की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाया है,उनका आरोप है कि शासन स्तर से संलग्नीकरण समाप्त करने के निर्देश जारी किए जाते हैं,लेकिन बाद में अलग रास्ते से वैसी ही व्यवस्था दोबारा दिखाई देती है,यहीं व्यंग्य का सबसे बड़ा बिंदु सामने आता है अगर संलग्नीकरण गलत था तो समाप्त क्यों किया गया? और अगर किसी विशेष परिस्थिति में जरूरी था तो समाप्त करने का आदेश क्यों निकला? और यदि बाद में फिर जरूरत पड़ी तो नई व्यवस्था का नियम क्या है? सरकारी आदेशों की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्पष्टता होती है,आदेश यदि एक बात कहे और जमीन पर व्यवस्था दूसरी दिखाई दे तो कर्मचारियों में भ्रम और असंतोष पैदा होना स्वाभाविक है।

'लेनदेन' के आरोप भी ज्ञापन में, लेकिन जांच जरूरी-कमरो ने पदस्थापना और संलग्नीकरण को लेकर कथित राजनीतिक प्रभाव तथा 'लेनदेन' संबंधी आरोपों की जांच की मांग भी की है,यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध सामग्री से नहीं हुई है,इसलिए इन्हें तथ्य के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता,यदि शासन चाहे तो इस पूरे पहलू की निष्पक्ष जांच कराकर स्थिति स्पष्ट कर सकता है, क्योंकि किसी भी सरकारी पदस्थापना पर सवाल उठना अलग बात है और उसमें आर्थिक लेनदेन सिद्ध होना अलग बात, दोनों के बीच फर्क बनाए रखना ही जांच की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है।

अब गेंद शिक्षा विभाग के पाले में- पूर्व विधायक के ज्ञापन के बाद अब शिक्षा विभाग के सामने कई सवाल हैं की 21 सितंबर का आदेश किस नियम के तहत जारी हुआ? व्याख्याता को बीईओ का प्रभार देने का प्रशासनिक औचित्य क्या था? प्रभार की अवधि कितनी है? क्या व्याख्याता अपने मूल विद्यालय में अध्यापन भी करेंगे? सोनहत में स्थानीय स्तर पर पात्र अधिकारी उपलब्ध थे या नहीं? यदि थे तो उन्हें प्रभार क्यों नहीं दिया गया? यदि नहीं थे तो विभाग ने किस आधार पर वैकल्पिक व्यवस्था चुनी? क्या इस मामले में शिक्षक को गैर-शैक्षणिक दायित्व में लगाने संबंधी शासन के निर्देश लागू होते हैं? इन सवालों का जवाब किसी राजनीतिक बयान से नहीं, बल्कि आदेश, सेवा नियम और विभागीय रिकॉर्ड से मिलना चाहिए, स्कूल शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर 2026 में वरिष्ठता, पदोन्नति और संवर्ग संबंधी कई प्रक्रियाएं सार्वजनिक की गई हैं। इससे यह स्पष्ट है कि विभागीय प्रशासन में पद और संवर्ग आधारित औपचारिक प्रक्रियाएं चल रही हैं,ऐसे में सोनहत के बीईओ प्रभार का मामला भी यदि नियमों के अनुसार है तो नियम सामने रखे जाने चाहिए और यदि कोई विसंगति है तो उसे दूर किया जाना चाहिए।

सवाल कुर्सी का नहीं, व्यवस्था के भरोसे का है- पूरे विवाद को केवल 'कमरो बनाम शिक्षा विभाग' की राजनीतिक लड़ाई मानना मामले को छोटा कर देगा, असली सवाल यह है कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था में पदस्थापना और प्रभार की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है, किसी शिक्षक को प्रशासनिक जिम्मेदारी देना गलत है या सही–इसका फैसला आरोपों से नहीं,नियमों से होगा, लेकिन जब एक जिले में पदस्थ व्याख्याता को दूसरे जिले के विकासखंड में बीईओ का प्रभार मिलता है,स्थानीय अधिकारी-कर्मचारियों की उपलब्धता पर सवाल उठते हैं,शिक्षक को गैर-शैक्षणिक दायित्व में लगाए जाने की नीति का हवाला दिया जाता है और फिर पूर्व विधायक को शिक्षा सचिव तक ज्ञापन भेजना पड़ता है, तो इतना सवाल पूछना तो बनता है की शिक्षा विभाग में आखिर नियम चल रहे हैं या नियमों के साथ 'प्रभार व्यवस्था' भी चल रही है? और यदि नियम ही सर्वोपरि हैं तो उनका हिसाब सार्वजनिक करने में संकोच कैसा? फिलहाल मामला ज्ञापन, आरोप और प्रशासनिक आदेश की व्याख्या के स्तर पर है। संबंधित अधिकारियों अथवा शासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि 21 सितंबर का प्रभार आदेश किन नियमों और प्रशासनिक परिस्थितियों के आधार पर जारी किया गया, तब तक 'पैराशूट लैंडिंग' राजनीतिक व्यंग्य का शब्द भले हो,लेकिन स्थानीय अधिकारियों की उपलब्धता, शिक्षक के मूल दायित्व और प्रभार देने की प्रक्रिया से जुड़े सवाल वास्तविक प्रशासनिक सवाल बने हुए हैं।

मानवता की सेवा में कोरिया पुलिस की पहल,जिला स्तरीय रक्तदान शिविर में उमड़ा उत्साह

कलेक्टर रोक्तिमा यादव और एसपी हरीश राठौर की मौजूदगी में स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान,पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों ने भी निभाई सहभागिता

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,24 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।
जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने और समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को कोरिया जिले में विशाल जिला स्तरीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर एसईसीएल क्लब,गोलम सदन,ऑफिसर्स कॉलोनी, बैकुंठपुर में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चला। शिविर में कलेक्टर रोक्तिमा यादव और पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने शिविर में पहुंचकर स्वैच्छिक रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान विभिन्न वर्गों के लोगों ने आगे आकर रक्तदान किया, शिविर में लोगों की

सहभागिता से रक्तदान के प्रति जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना दिखाई दी।

एसपी ने स्वयं किया रक्तदान- रक्तदान शिविर में पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर ने स्वयं रक्तदान कर पुलिस विभाग की ओर से मानव सेवा के इस अभियान में सहभागिता निभाई, उनके साथ रक्षित निरीक्षक नितीश आर. नायर और पटना थाना प्रभारी उप निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय सहित पुलिस विभाग के अनेक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी स्वैच्छिक रक्तदान किया,पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के रक्तदान से शिविर में मौजूद अन्य लोगों को भी स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरणा मिली। शिविर का उद्देश्य केवल रक्त संग्रह करना ही नहीं,बल्कि लोगों में यह संदेश पहुंचाना भी रहा कि जरूरत के समय रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में समाज की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य जांच के बाद किया गया रक्त संग्रहण-शिविर में स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सकीय टीम द्वारा रक्तदाताओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परीक्षण किया गया,चिकित्सकीय रूप से उपयुक्त पाए जाने के बाद ही रक्त संग्रहण की प्रक्रिया पूरी की गई,रक्तदान के लिए पहुंचे लोगों को रक्तदान से संबंधित आवश्यक जानकारी भी स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा दी गई,आयोजकों ने रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र एवं जलपान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। शिविर के दौरान लोगों में स्वैच्छिक रक्तदान को लेकर उत्साह देखने को मिला।

एक स्वस्थ व्यक्ति का रक्तदान किसी की जिंदगी बचा सकता है- इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवन बचाने का माध्यम है,एक स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी अज्ञात व्यक्ति के जीवन में नई आशा लेकर आ सकता है,उन्होंने जिलेवासियों से नियमित अंतराल पर स्वैच्छिक रक्तदान करने और समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया,उन्होंने कहा कि रक्त की आवश्यकता कई बार अचानक उत्पन्न होती है। ऐसे समय में रक्त की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्वैच्छिक रक्तदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है,इसलिए रक्तदान को केवल एक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे सामाजिक सहभागिता और मानव सेवा की निरंतर पहल के रूप में आगे बढ़ाने की जरूरत है।

जनभागीदारी मजबूत करना रहा शिविर का उद्देश्य-मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कोरिया के निर्देशन एवं आयोजन में संपन्न इस जिला स्तरीय रक्तदान शिविर का उद्देश्य जिले में स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करना तथा आवश्यकता के समय रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जनभागीदारी को मजबूत करना रहा,शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रक्तदाताओं को रक्तदान से जुड़ी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई,वहीं पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहभागिता ने इस अभियान को सामाजिक जिम्मेदारी और मानव सेवा से जोड़ने का संदेश दिया,जिले में आयोजित इस पहल के माध्यम से लोगों को जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

कैमरे से दूर रहते हैं अक्षय कुमार के बेटे और बेटी, एयरपोर्ट पर दिखी झलक

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की पत्नी और लेखिका-एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना गुरुवार,24 सितंबर को मुंबई एयरपोर्ट पर अपने दोनों बच्चों आरव कुमार और नितारा भाटिया के साथ नजर आईं। ट्विंकल और उनके बच्चों की यह आउटिंग खास रही, क्योंकि तीनों को एक साथ सार्वजनिक जगह पर कम ही देखा जाता है। एयरपोर्ट से सामने आए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें ट्विंकल, आरव और नितारा टर्मिनल की ओर जाते दिखाई दे रहे हैं।

ऑल-ब्लैक लुक में दिखीं ट्विंकल

एयरपोर्ट लुक की बात करें तो ट्विंकल खन्ना ने इस मौके पर ऑल-ब्लैक आउटफिट चुना। उन्होंने फुल स्लीव्स वाला ब्लैक टॉप पहना हुआ था, जिसे उन्होंने क्रीम कलर के बड़े स्कार्फ के साथ स्टाइल किया। इस स्कार्फ पर लाल और काले रंग के बोल्ड पैटर्न बने हुए थे, जो उनके लुक को अलग टच दे रहे थे। ट्विंकल ने आंखों पर डार्क सनग्लासेस लगाए थे और हाथ में डार्क पैटर्न वाला टोट बैग कैरी किया था। उनका पूरा लुक सिंपल होने के साथ काफी स्टाइलिश नजर आया।

आरव का लुक भी रहा चर्चा में...

ट्विंकल के साथ उनके बेटे आरव कुमार भी एयरपोर्ट पर दिखाई दिए। आरव अक्सर कैमरों और लाइमलाइट से दूरी बनाए रखना पसंद करते हैं,इसलिए उनकी सार्वजनिक मौजूदगी सोशल मीडिया यूजर्स के लिए खास बन गई। इस दौरान आरव ने डार्क ग्रे कलर की बटन-डाउन शर्ट पहनी थी, जिसके अंदर उन्होंने व्हाइट टी-शर्ट पहनी हुई थी। उन्होंने इसे लाइट ब्लू डेनिम और डार्क शूज के साथ पेयर किया। कंधे पर ब्राउन क्रॉसबॉडी स्ट्रैप भी नजर आया। आरव की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद कई लोगों ने उनके लुक पर खास ध्यान दिया। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने उनकी तुलना उनके नाना और दिग्गज अभिनेता राजेश खन्ना से भी की। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि आरव अपने नाना की तरह काफी दिखते हैं। वहीं दूसरे कमेंट में भी इसी तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिली।

नितारा ने व्हाइट को-ऑर्ड सेट में जीता ध्यान

ट्विंकल की बेटी नितारा भी एयरपोर्ट पर काफी स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। उन्होंने ऑल-व्हाइट को-ऑर्ड सेट पहना हुआ था। कैमरे के सामने आते ही उनका सिंपल और कैजुअल लुक लोगों का ध्यान खींचने लगा। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में नितारा अपनी मां और भाई के साथ एयरपोर्ट के अंदर जाती दिखाई दे रही हैं।

बच्चों की परवरिश को लेकर भी हुई चर्चा

वीडियो के कमेंट सेक्शन में लोगों ने ट्विंकल और अक्षय के बच्चों को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। कई यूजर्स ने कहा कि समय कितनी तेजी से बीत गया और दोनों बच्चे अब काफी बड़े हो गए हैं। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि आरव और नितारा जिस तरह से कैमरों से दूरी बनाए रखते हैं, उससे उनकी परवरिश की तारीफ होती है। हालांकि, कुछ टिप्पणियों में स्टार किड्स की तुलना दूसरे सेलिब्रिटी बच्चों से भी की गई।

एयरपोर्ट आउटिंग में अक्षय कुमार नहीं आए नजर

इस फैमिली आउटिंग में अक्षय कुमार दिखाई नहीं दिए। ट्विंकल और बच्चों के साथ उनकी गैरमौजूदगी भी लोगों के बीच चर्चा का विषय रही। हालांकि, सामने आए वीडियो में परिवार की इस छोटी सी एयरपोर्ट आउटिंग की वजह स्पष्ट नहीं हुई है।

इंटरनेशनल खिलाड़ी के सेट पर शुरू हुई थी लव स्टोरी

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की प्रेम कहानी की शुरुआत फिल्म 'इंटरनेशनल खिलाड़ी' की शूटिंग के दौरान हुई थी। दोनों ने 17 जनवरी 2001 को एक निजी समारोह में शादी की थी। शादी के बाद 15 सितंबर 2002 को उनके बेटे आरव का जन्म हुआ। इसके बाद 2012 में उनकी बेटी नितारा इस परिवार का हिस्सा बनीं। दोनों बच्चों को लेकर अक्षय और ट्विंकल आमतौर पर उनकी प्राइवेसी का ध्यान रखते हैं और उन्हें लगातार सुर्खियों से दूर रखने की कोशिश करते हैं।

'हैवान' में नजर आए अक्षय कुमार

वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार हाल ही में प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आए। इस फिल्म में उन्होंने लंबे समय बाद सैफ अली खान के साथ स्क्रीन शेयर की। सिनेमाघरों में रिलीज के बाद फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, जबकि बॉक्स ऑफिस पर भी इसकी शुरुआत ठीक-ठाक रही।

डिलीवरी के दौरान ऋचा चड्ढा की बिगड़ी थी हालत,अब साझा किया अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने अपनी डिलीवरी और मां बनने के बाद सामने आई चुनौतियों को लेकर खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने उस मुश्किल समय को याद करते हुए बताया कि डिलीवरी के दौरान उनका काफी ज्यादा खून बह गया था और इसके बाद वह शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद थका हुआ महसूस कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उस समय उनका दिमाग जैसे सुन्न पड़ गया था। ऋचा ने बताया कि

बच्चे को जन्म देना उनके लिए भावनात्मक रूप से खूबसूरत अनुभव था, लेकिन इसके साथ कई शारीरिक परेशानियां भी जुड़ी थीं। डिलीवरी के बाद शरीर को रिकवर होने में समय लगा और शुरुआती दिनों में नई जिम्मेदारियों के साथ तालमेल बैठाना आसान नहीं था। अभिनेत्री के मुताबिक, डिलीवरी के दौरान ज्यादा ब्लीडिंग होने की वजह से उन्हें कमजोरी और थकान महसूस हुई। बच्चे के जन्म के बाद अचानक जिंदगी की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई। नींद, आराम और अपनी सेहत का ध्यान रखने के साथ नवजात की देखभाल करना उनके लिए एक नया अनुभव था। ऋचा ने पोस्टपार्टम दौर से जुड़ी भावनात्मक चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने संकेत दिया कि मां बनने के बाद महिलाओं के शरीर के साथ मानसिक स्थिति में भी कई बदलाव आते हैं। ऐसे समय में परिवार और आसपास के लोगों का सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ऋचा चड्ढा और अभिनेता अली फजल ने जुलाई 2024 में अपनी बेटी का स्वागत किया था। दोनों ने अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक निजी रखने की कोशिश की है। हालांकि ऋचा समय-समय पर मातृत्व से जुड़े अपने अनुभव साझा करती रही हैं। अभिनेत्री की बातों ने एक बार फिर डिलीवरी के बाद महिलाओं की रिकवरी और पोस्टपार्टम अनुभवों की ओर ध्यान खींचा है। सोशल मीडिया पर अक्सर मातृत्व की खूबसूरत तस्वीरें देखने को मिलती हैं, लेकिन इसके पीछे मौजूद शारीरिक थकान, नींद की कमी और भावनात्मक बदलावों पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। ऋचा ने अपने अनुभव को साझा करते हुए यह स्पष्ट किया कि हर महिला का मातृत्व और डिलीवरी का अनुभव अलग हो सकता है। उन्होंने अपने मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात कर उन चुनौतियों को सामने रखा, जिनसे कई महिलाएं बच्चे के जन्म के बाद गुजर सकती हैं।

रजनीकांत के सम्मान में धनुष ने 'ओम' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाई

मुख्य रूप से तमिल सिनेमा में काम करने वाले एक्टर धनुष ने अपनी आने वाली फिल्म 'ओम' की रिलीज़ डेट आगे बढ़ा दी है। बुधवार को एक्टर ने (पहले ट्विटर) पर अपने फॉलोअर्स के साथ यह जानकारी शेयर की। उन्होंने कहा कि उन्होंने फिल्म की रिलीज़ को इसलिए आगे बढ़ाया है ताकि तमिल सिनेमा के दिग्गज रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' के साथ टकराव से बचा जा सके। उन्होंने लिखा, ऐसे समय में, किसी फिल्म की रिलीज़ को आगे बढ़ाना अपने आप में एक चुनौती भरा काम है। हमारे सुपरस्टार, रजनीकांत सर-जिन्हें हम सभी सालों से पसंद करते आए हैं और जिनकी हम बहुत इज्ज़त करते हैं-उनकी फिल्म 15 अक्टूबर को आ रही है, यानी हमारी फिल्म से ठीक एक दिन पहले। उनके प्रति बहुत सम्मान रखते हुए, हमने अपनी फिल्म 'ओम' की रिलीज़ को बाद की किसी तारीख के लिए टालने का फैसला किया है। साथ ही, हम इस साल दिवाली पर भी फिल्म रिलीज़ नहीं करेंगे, क्योंकि सूर्या सर की फिल्म पहले ही उसी तारीख के लिए घोषित हो चुकी है।÷

समय रैना की कार से निकलीं रूमर्ड गर्लफ्रेंड मेधा शंकर, पैपराजी को देखते ही बदला अंदाज, बनाया अटपटा मुंह, फिर भागीं

समय रैना की कार से मेधा शंकर के निकलने का वीडियो वायरल हो रहा है। पैपराजी को देखते ही एक्ट्रेस का बदला अंदाज चर्चा में है। दोनों के लिंकअप और शादी की अफवाहें पहले भी सुर्खियों में रहीं। समय रैना और मेधा शंकर पिछले कुछ समय से अपनी कथित डेटिंग को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों ने कभी अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है, लेकिन साथ में नजर आने और सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ बॉन्डिंग के चलते उनके लिंकअप की चर्चा होती रहती है। अब मेधा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह समय रैना की कार से बाहर निकलती दिखाई दे रही हैं। कैमरों की नजर पड़ते ही एक्ट्रेस का रिएक्शन देखने लायक था। वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों का कहना है कि पकड़े जाने के बाद लोगों का रिक्शन ऐसा ही होता है।

समय की कार से उतरती दिखीं मेधा

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में मेधा शंकर को मुंबई के जुहू इलाके में समय रैना की ब्लैक टोयोटा वेलफायर से उतरते देखा गया। कार से बाहर आते ही उन्हें अंदाजा नहीं था कि आसपास पैपराजी मौजूद हैं। जैसे ही उनकी नजर कैमरों पर पड़ी, उनके चेहरे पर अचानक हैरानी के भाव नजर आए। मेधा कुछ सेकंड के लिए कैमरे की तरफ देखती हैं और फिर वहां से निकलने लगती हैं। उन्होंने पैपराजी के सामने रुककर पोज देने के बजाय खुद को कैमरे से दूर रखा और भागती दिखीं। इसी दौरान उनका रिएक्शन सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है। हालांकि सिर्फ इस वीडियो के आधार पर दोनों के रिश्ते को लेकर किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं होती है।

ऐसे शुरू हुई दोनों के रिश्ते की चर्चा

समय रैना और मेधा शंकर के बीच कथित रिश्ते की खबरें अचानक नहीं आईं। दोनों के एक साथ नजर आने और सोशल मीडिया पर उनकी नजदीकियों को लेकर फैंस ने कयास लगाने शुरू किए। समय के कॉमेडी शो और डिजिटल स्पेस से जुड़े होने के कारण उनकी पर्सनैलिटी को लेकर पहले से ही लोगों की दिलचस्पी रहती है, वहीं मेधा '12वीं फेल' जैसी फिल्म में अपने अभिनय से पहचान बना चुकी हैं। दोनों को अलग-अलग मौकों पर साथ देखे जाने के बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हुई कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इसके बाद साथ ट्रैवल करने की खबरों ने भी इन अटकलों को बढ़ाया। हालांकि समय और मेधा ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

समय ने मेधा को बताया था अपनी करीबी दोस्त

दोनों की बॉन्डिंग की चर्चा उस समय भी हुई थी जब मेधा शंकर समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में नजर आई थीं। शो के दौरान समय ने मेधा का नाम अपनी करीबी दोस्त के तौर पर लिया था। उनके इस जवाब को फैंस ने दोनों की नजदीकी से जोड़कर देखा और इसके बाद डेटिंग की चर्चाओं को और हवा मिली। हालांकि दोनों के बीच दोस्ती है या इससे आगे कोई रिश्ता, इस बारे में उन्होंने सार्वजनिक रूप से कुछ स्पष्ट नहीं किया है।

शादी की अफवाह पर क्या बोले समय और मेधा?

कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर दोनों की शादी को लेकर भी दावा किया गया था। एक ऑनलाइन पोस्ट में कहा गया कि समय और मेधा दिसंबर 2026 में शादी कर सकते हैं। इस पोस्ट के वायरल होने के बाद दोनों की प्रतिक्रिया का लोगों को इंतजार था। समय रैना ने इस अफवाह पर सीधे गंभीर बयान देने के बजाय अपने चुटीले अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने पोस्ट को शेयर करते हुए बताया कि दिसंबर में उनका इंडिया टूर है, इसलिए शादी को लेकर किया गया दावा सही नहीं बैठता। मेधा शंकर ने भी समय के पोस्ट को हंसी वाले अंदाज में शेयर किया। इसके बाद एक्ट्रेस ने शादी से जुड़ी अफवाह पर एक मीम भी पोस्ट किया। इस तरह दोनों ने शादी की खबर को लेकर गंभीर पुष्टि करने के बजाय मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी। फिलहाल दोनों की शादी या रिलेशनशिप को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

खेल-समाचार

एशियन गेम्स में भारत की चांदी,भारतीय मिक्स्ड 4x400 रिले टीम ने जीता सिल्वर मेडल

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2026। एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए एथलेटिक्स से एक और अच्छी खबर आई है। मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। एशियन गेम्स 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। आइची-नागोया में भारतीय खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स में अपने अभियान का आगाज शानदार अंदाज में किया है। 24 सितंबर को शाम के सत्र में सीमा ने वूमेन्स 10000 मीटर फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर एथलेटिक्स में भारत का खाता खोला। इसके कुछ ही मिनट बाद मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले टीम ने भी सिल्वर मेडल जीतकर भारतीय प्रशंसकों को जश्न मनाने का एक और मौका दे दिया।

भारतीय टीम रही दूसरे स्थान पर

मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले के फाइनल में मनु टीएस, पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और विथ्या रामराज की भारतीय चौकड़ी ने 3 मिनट 14.46 सेकंड का समय दर्ज किया। इस प्रदर्शन के साथ टीम दूसरे स्थान पर रही और भारत की झोली में सिल्वर मेडल आया। बता दें, एशियन गेम्स में 24 सितंबर का आगाज भारत के लिए शानदार रहा। रोइंग में ब्रॉन्ज मेडल के बाद वुशु में भारत को ऐतिहासिक सिल्वर मेडल मिला। इसके बाद सीमा कुमारी और मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले टीम के लगातार मेडल्स ने दिन को भारतीय दल के लिए यादगार बना दिया। फाइनल में भारतीय चौकड़ी की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

वैभव सूर्यवंशी को न्यूजीलैंड कोच की चुनौती

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2026। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बेहद कम उम्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। आईपीएल से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक उनके प्रदर्शन ने क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। अब भारत के आगामी न्यूजीलैंड

दौरे से पहले कीवी टीम के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने सूर्यवंशी को लेकर दिलचस्प बयान दिया है। वॉल्टर ने कहा कि वह युवा भारतीय बल्लेबाज को न्यूजीलैंड की तेज और उछाल भरी पिचों पर खेलते हुए देखना चाहते हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अक्टूबर में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली जानी है। सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी। न्यूजीलैंड ने इसके लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है, जबकि भारतीय टीम का ऐलान अभी बाकी है। वैभव के भारतीय टीम में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि उनकी जगह की आधिकारिक पुष्टि टीम चयन के बाद ही होगी।

विवेक सागर प्रसाद ने पूरे किए 200 इंटरनेशनल मैच

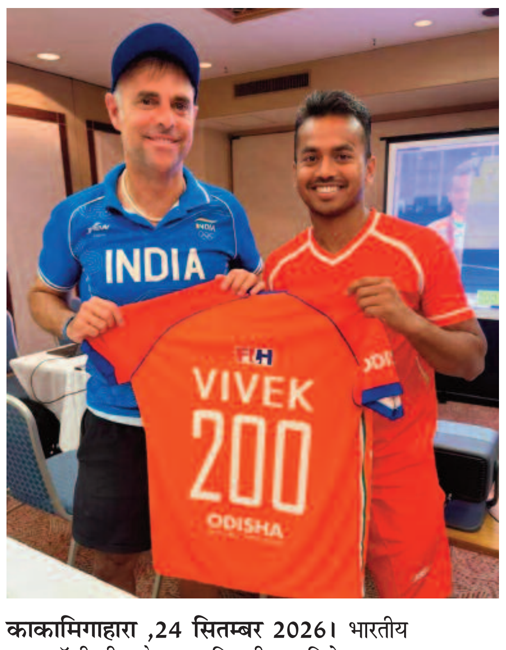

काकामिगाहारा ,24 सितम्बर 2026। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्टार मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद ने अंतरराष्ट्रीय करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत के लिए 200 सीनियर इंटरनेशनल मैच पूरे कर लिए हैं। 26 वर्षीय विवेक ने जापान में जारी एशियाई खेल 2026 में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत के तीसरे पूल ए मुकाबले के दौरान यह मुकाम हासिल किया। इस खास उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने उन्हें बधाई देते हुए भारतीय हॉकी में उनके योगदान की सराहना की।विवेक सागर प्रसाद ने साल 2018 में भारतीय सीनियर टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इसके बाद उन्होंने लगातार अपने प्रदर्शन से टीम में जगह मजबूत की। मिडफील्ड में शांत स्वभाव, अलग-अलग भूमिकाओं में खेलने की क्षमता और दबाव के समय महत्वपूर्ण योगदान देने की खूबी ने उन्हें भारतीय टीम का अहम खिलाड़ी बनाया। आठ साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में अब उनके नाम 200 सीनियर इंटरनेशनल मैच हो गए हैं।दक्षिण कोरिया के खिलाफ यह मुकाबला विवेक के लिए व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ भारतीय टीम के लिए भी शानदार रहा। भारत ने दक्षिण कोरिया को 8-2 से हराया। हॉकी इंडिया के अनुसार एशियाई खेलों के इतिहास में दक्षिण कोरिया के खिलाफ यह भारत की सबसे बड़ी जीत है। मुकाबले से पहले विवेक को 200 मैचों की उपलब्धि के लिए सम्मानित भी किया गया।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र./- 20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका श्रीमती संध्या चौदहा आ0/ पति संतोष चौदहा जाति, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर - 4 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1995/4863/2, 1995/4863/6, रकबा 0.05, 0.02 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/ आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 29.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः- 15.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र./- 20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका संतोष चौदहा आ0/पति स्व0 राजाराम चौदहा जाति, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला - केदारपुर, शीट नम्बर-4 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट 1995/4863/1, 1995/4863/8, 2009/4804/13 रकबा 0.06 1/4, 0.04, 1030 एकड़ / वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 29.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 15.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र./अ- 20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमन चोपड़ा आ0 स्व0 राधेश्याम चोपडा, श्रीमती रीता चोपडा पत्नी स्व0 राधेश्याम चोपडा दोनों निवासी चोपडापारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर-01 मोहल्ला चोपडापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 9/22 रकबा 0.08 1/2 एकड भूमि, को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र, मेन्टनेंस खसरा सहित पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम दिनांक- 01.10.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है । नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक - 15/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

ईश्तहार

क्रमांक 3180/वाचक-2/2026
सूरजपुर,दिनांक 23/09/2026

सर्व साधारण ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम/नगर.... तहसील....... जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामा पिता/पति डेरीहा जाति रजवार निवासी ग्राम सोहागपुर पोस्ट करनजी थाना जयनगर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने पुत्र/पुत्री/ रूखमेन पति डेरीहा मृत्यु तिथि 13/01/2017 मृत्यु स्थान सोहागपुर के जन्म मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति/ आक्षेप हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 07/10 /2026 दिन बुधवार को उपस्थित होकर दावा आपत्ति / आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा / आपत्ति / आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 23/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील

तहसीलदार सूरजपुर

नाम परविर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै राना बाबू पैकरा पिता चंदूर लाल उम्र लगभग 52 वर्ष निवासी ग्राम राई पो0 बतरा थाना विश्रामपुर तह भटगांव जिला सूरजपुर छ0ग0 यह कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड क्रमांक 908951706314 मे मेरी पुत्री का नाम कामनी KAMNI दर्ज है जो कि त्रुटिपूर्ण है, जबकी मेरे पुत्री का सही व वास्तविक नाम कामिनी पैकरा KAMINEE PAIKRA है।

अतः मेरी पुत्री के आधार कार्ड मे सुधार कर उसके सही व वास्तविक नाम कामिनी पैकरा KAMINEE PAIKRA दर्ज किया जाये। इस हेतु मेरे द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया ।

सपथकर्ता
राना बाबू

CMYK

युवा शक्ति विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

- मुख्यमंत्री एआई मिशन के माध्यम से छह लाख विद्यार्थियों को दिया जाएगा एआई प्रशिक्षण,मिशन के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान
- वर्ष 2030 तक प्रदेश में 5 हजार स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य, युवा केवल नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले भी बनें

रायपुर,24 सितम्बर 2026। युवा शक्ति विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, नवाचार की क्षमता और सेवा भावना को सही दिशा देकर समाज और राष्ट्र में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना आज देश के लाखों युवाओं को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने वाला व्यापक अभियान बन चुकी है। एनएसएस से जुड़ने वाला युवा केवल गतिविधियों में भाग नहीं लेता, बल्कि समाज और अपने आसपास की परिस्थितियों को अधिक संवेदनशीलता से समझना सीखता है। लोगों की समस्याओं को समझना, जिम्मेदारी लेना, टीम के साथ कार्य करना और समाधान के लिए स्वयं आगे आना - ये ऐसे संस्कार हैं, जो युवाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सक्षम बनाते हैं उन्होंने कहा कि सेवा के किसी कार्य को छोटा नहीं समझना चाहिए। कई बार एक युवा द्वारा किया गया छोटा-सा प्रयास भी पूरे समाज को प्रेरित कर सकता है। किसी गांव में स्वच्छता के लिए पहल करना, जरूरतमंद के लिए रक्तदान करना, पौधा लगाकर उसकी देखभाल करना, जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना अथवा किसी व्यक्ति को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना - ऐसे प्रयास समाज में बड़े परिवर्तन की नींव बनते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में और अधिक सक्रिय भागीदार बनाने के उद्देश्य से 'मेरा युवा भारत' जैसा व्यापक मंच तैयार किया गया है। इसके माध्यम से युवाओं को नेतृत्व, कौशल विकास और अनुभव आधारित सीख के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का उल्लेख करते हुए कहा कि वे स्वयं अपने विद्यार्थी जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान में बड़ी भूमिका निभाएं युवा

मुख्यमंत्री साय ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेश में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि एनएसएस और सेवा संकल्प अभियान की मूल भावना एक ही है - सेवा के लिए स्वयं आगे आना और समाज को भी सेवा कार्यों से जोड़ना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनके जन्मदिन 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में एक माह का सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। एनएसएस के युवा स्वच्छता, रक्तदान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, नशामुक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे विषयों को जनआंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से अपने महाविद्यालय और विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ गांवों, बस्तियों और शहरों में भी लोगों को इन अभियानों से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युवाओं में समाज को प्रेरित करने की अपार क्षमता है। जब युवा किसी अच्छे उद्देश्य के लिए आगे आते हैं तो उनके साथ परिवार, समाज और समुदाय भी जुड़ता है। इसलिए एनएसएस स्वयंसेवकों की एक छोटी पहल भी व्यापक और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकती है।

युवाओं का भरोसा मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा सामर्थ्य यहां के युवा हैं। राज्य सरकार युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप शिक्षा, शासकीय सेवा, रोजगार, उद्यमिता, खेल और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में अवसरों का लगातार विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं के मन में भर्ती परीक्षाओं के प्रति भरोसा मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता रही है। तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल का गठन किया गया है। भर्ती परीक्षाओं में नकल और अनुचित साधनों के इस्तेमाल को रोकने के लिए सख्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि मेहनत और प्रतिभा के आधार पर योग्य युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग में लगभग 7 हजार युवाओं की भर्ती की गई है।

नई औद्योगिक नीति से युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए द्वार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में निवेश के साथ-साथ रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि विगत डेढ़ वर्षों में प्रदेश को 8 लाख 25 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और अनेक परियोजनाओं में धरातल पर काम भी प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि उद्योग नीति तैयार करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि प्रदेश में आने वाले निवेश का सीधा लाभ छत्तीसगढ़ के युवाओं को मिले। स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए नीति में विशेष प्रावधान किए गए हैं। एक हजार स्थानीय लोगों को रोजगार देने वाले उद्यमों के लिए विशेष प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। इससे आने वाले वर्षों में प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए युवाओं को मिल रहा बेहतर वातावरण

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन और वातावरण उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दे रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले जनजातीय युवाओं के लिए दिल्ली स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की क्षमता बढ़ाकर 200 सीट की गई है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार हॉस्टल के 13 विद्यार्थियों ने यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अध्ययन वातावरण, पुस्तकें और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नालंदा परिसरों का निर्माण किया जा रहा है। सरकार की कोशिश है कि आर्थिक या भौगोलिक परिस्थितियां किसी प्रतिभाशाली युवा के सपनों के रास्ते में बाधा न बनें।

नौकरी मांगने वाले ही नहीं,रोजगार देने वाले बनें युवा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बदलते समय में रोजगार को लेकर हमारी सोच भी व्यापक होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ के युवा केवल नौकरी पाने वाले न रहें,बल्कि अपने नवाचार, प्रतिभा और उद्यमशीलता के माध्यम से दूसरों को रोजगार देने वाले भी बनें। राज्य सरकार इसके लिए स्टार्टअप और उद्यमिता का अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30 के अंतर्गत वर्ष 2030 तक प्रदेश में 5 हजार स्टार्टअप को बढ़ावा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता,कौशल और नई तकनीकों से जोड़ा जा रहा है। सरकार चाहती है कि प्रदेश के युवा अपने विचारों को उद्यम में बदलें और छत्तीसगढ़ की नई अर्थव्यवस्था के निर्माण में नेतृत्वकारी भूमिका निभाएं।

एआई सहित भविष्य की तकनीकों में आगे बढ़ेंगे छत्तीसगढ़ के युवा

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकों की ओर बढ़ रही है। आने वाले समय में शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य, कृषि और प्रशासन सहित लगभग हर क्षेत्र में इन तकनीकों की भूमिका बढ़ेगी। इसलिए छत्तीसगढ़ के युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री एआई मिशन के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत प्रदेश के छह लाख विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है। इससे विद्यार्थियों को नई तकनीक की समझ के साथ भविष्य के रोजगार और उद्यमिता के अवसरों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी।

कर्मवीर सिंह बने छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश महामंत्री

पवन साय को झारखंड की जिम्मेदारी, अजय जामवाल महाराष्ट्र के प्रदेश महामंत्री बनाए गए

रायपुर,24 सितम्बर 2026। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने कर्मवीर सिंह को छत्तीसगढ़ का संगठन महामंत्री बनाया है। इससे पहले कर्मवीर झारखंड के संगठन महामंत्री थे। वहीं, वर्तमान में छत्तीसगढ़ भाजपा के संगठन महामंत्री रहे पवन साय को झारखंड भाजपा के संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। गुरुवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने देश भर के लिए संगठन महामंत्री के नामों की घोषणा की। इसके साथ ही राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सौदान सिंह को फिर से झारखंड भाजपा में सह महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। सौदान सिंह 2014 के विधानसभा चुनाव के समय झारखंड के प्रभारी थे और उनका चुनावी रणनीति में बड़ा योगदान था। इसके अलावा छत्तीसगढ़ संगठन से जुड़े रहे अजय जामवाल को महाराष्ट्र की जिम्मेदारी दी गई है। शिवप्रकाश को मुंबई का राष्ट्रीय संगठन सह महामंत्री बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ से हटाकर झारखंड का संगठन सौंपा

पवन साय को अब झारखंड प्रदेश महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। उनका संगठन केंद्र रांची रहेगा। वे लंबे समय तक छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) रहे हैं। 2022 में भी उन्हें प्रदेश टीम में इसी जिम्मेदारी पर रखा गया था। 2023 के विधानसभा चुनाव तक छत्तीसगढ़ में संगठन के प्रमुख फैसलों और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय में उनकी भूमिका रही। अब उन्हें छत्तीसगढ़ से हटाकर झारखंड का संगठन सौंपा गया है।

छत्तीसगढ़ संगठन से जुड़े रहे जामवाल

अजय जामवाल को अब महाराष्ट्र प्रदेश महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। उनका संगठन केंद्र मुंबई रहेगा। मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के जोगिंदरनगर से जुड़े जामवाल ने छात्र जीवन में एबीवीपी से संगठनात्मक काम शुरू किया। 2022 में उन्हें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का क्षेत्रीय संगठन महामंत्री बनाया गया। 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने दोनों राज्यों में संगठन की जिम्मेदारी संभाली। अब उन्हें महाराष्ट्र का संगठन सौंपा गया है।

महासमुंद में 66 लाख का गांजा जब्त...2 तस्कर गिरफ्तार

ओडिशा से पुणे ले जा रहे थे 132 किलो गांजा

महासमुंद,24 सितम्बर 2026। महासमुंद पुलिस ने 132 किलो गांजा जब्त किया है। बसना पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान एक इनोवा कार (एमएच 04 जीएम 8841) से यह गांजा बरामद किया। इसकी अनुमानित कीमत 66 लाख रुपए है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा की ओर से एक संदिग्ध इनोवा कार गांजा लेकर बसना क्षेत्र से गुजरने वाली है। इस सूचना पर बसना पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने नाकाबंदी की। वाहनों की निगरानी के दौरान संदिग्ध इनोवा कार को रोका गया। तलाशी लेने पर उसमें 132 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ओडिशा के तुमुड़ीबंध, जिला कंधमाल से गांजा लेकर महाराष्ट्र के पुणे जा रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पकड़े गए तस्करों की पहचान गणेश बाजे (42) पिता रामदास बाजे, निवासी पिपलवंडी, थाना अनेपारा, जिला पुणे, महाराष्ट्र और विपुल भालेराव (36) पिता रामचंद्र भालेराव, निवासी कलंब, तालुका आंबेगांव, जिला पुणे, महाराष्ट्र के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 132 किलो गांजा (कीमत 66 लाख रुपए), इनोवा कार (कीमत करीब 15 लाख रुपए) और दो मोबाइल फोन (कीमत करीब 20 हजार रुपए) जब्त किए हैं। जब्त की गई कुल संपत्ति की अनुमानित कीमत 81 लाख 20 हजार रुपए आंकी गई है।

केके श्रीवास्तव की 3 करोड़ की संपत्ति होगी अटैच

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में लिया एक्शन,दुबई-हांगकांग-चीन तक भेजी रकम...

रायपुर,24 सितम्बर 2026। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केके श्रीवास्तव की करीब 3 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया है। केके छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी बताए जाते हैं। आरोप है कि केके पूर्व सीएम के लिए तांत्रिक पूजा करवाते थे। ईडी ने यह कार्रवाई रायपुर के तेलीबांधा थाने में दर्ज एफआईआर और छत्तीसगढ़ पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट के आधार पर की है। केके पर मामले में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक धमकी और आपराधिक साजिश के आरोप हैं। 22 सितंबर को केके की चल-अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क करने का आदेश जारी किया गया। इसके बाद 23 सितंबर को रायपुर की विशेष पीएमएलए कोर्ट में उनके खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल की गई। दो महीने पहले ईडी ने जांच के लिए केके श्रीवास्तव को रिमांड पर लिया था। ईडी की जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम शेल कंपनियों के जरिए दुबई, हांगकांग और चीन में मौजूद लाभार्थियों तक भेजी गई। जांच के अनुसार, जून 2023 में केके श्रीवास्तव ने M/s रावत एसोसिएट्स के प्रोपराइटर को रायपुर स्मार्ट सिटी की करीब 500 करोड़ रुपए की परियोजना में सब-कॉन्ट्रैक्ट दिलाने का दावा किया। इसके लिए 15 करोड़ रुपए की परफॉर्मेंस सिक्योरिटी मांगी गई। इसके बाद व्हाट्सऐप के जरिए बताए गए पांच बैंक खातों में 15 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए।

पांच खातों में ट्रांसफर हुई रकम : ईडी के मुताबिक, जांच में सामने आया कि जिन बैंक खातों में रकम भेजी गई, वे कथित खाताधारकों की जानकारी के बिना धोखाधड़ी से खोले गए थे। संबंधित संस्थाएं अपने पंजीकृत पतों पर भी मौजूद नहीं मिलीं।

शेल कंपनियों के जरिए विदेश भेजी रकम : ईडी का दावा है कि ठगी की रकम को शेल और कंड्यूट संस्थाओं के नेटवर्क के जरिए कई स्तरों पर घुमाया गया। इसके बाद माल ढुलाई शुल्क और कंटेनर लीजिंग जैसे कारोबारी विवरणों के जरिए रकम दुबई, हांगकांग, चीन और सिंगापुर में स्थित लाभार्थियों तक भेजी गई। जांच एजेंसी के अनुसार, 15 करोड़ रुपए में से 3.40 करोड़ रुपए पीड़ित को वापस किए गए, जबकि 11.60 करोड़ रुपए की रकम वापस नहीं हुई। केके श्रीवास्तव को ईडी ने 30 जुलाई 2026 को पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया था। स्पेशल कोर्ट ने उन्हें ईडी की हिरासत में भेजा था। अब संपत्ति कुर्क करने और अभियोजन शिकायत दाखिल करने के बाद मामले में आगे की जांच जारी है।

पूर्व सीएम के लिए तांत्रिक पूजा करने का आरोप

केके श्रीवास्तव का नाम इससे पहले भी राजनीतिक हलकों में चर्चा में रहा है। उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कथित तांत्रिक बताया जाता रहा है। उनके खिलाफ रायपुर के तेलीबांधा थाने में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज हुआ था। इसी केस के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। जांच एजेंसी के मुताबिक, श्रीवास्तव पर रायपुर स्मार्ट सिटी की करीब 500 करोड़ रुपए की परियोजना में सब-कॉन्ट्रैक्ट दिलाने का झांसा देकर 15 करोड़ रुपए लेने का आरोप है। ईडी ने मामले में 3.25 करोड़ रुपए की संपत्तियां अनंतिम रूप से कुर्क की हैं।

महादेव सट्टा का वांटेड आरोपी हैदराबाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार

रायपुर कोर्ट में पेश,2 दिन की मिली रिमांड,सौरभ चंद्राकर के साथ काम करने का दावा

रायपुर,24 सितम्बर 2026। महादेव सट्टा केस में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वांटेड आरोपी अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया है। वह दुबई से भारत लौटा था। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचते ही सीबीआई ने उसे अरेस्ट कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अभिषेक को हैदराबाद की स्थानीय अदालत में पेश किया गया। सीबीआई को कोर्ट से उसकी 3 दिन की ट्रांजिट रिमांड मिली। इसके बाद आरोपी को रायपुर लाकर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 2 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, अभिषेक महादेव बुक के जरिए ऑनलाइन सट्टा और जुआ चलाने, पैनल के बीच तालमेल और सट्टे से जुटाई गई रकम के कलेक्शन में सक्रिय था। सीबीआई का दावा है कि सट्टे से कमाए गए पैसों से अभिषेक ने दुबई में अचल संपत्तियां भी खरीदी थीं। गिरफ्तारी के बाद तलाशी में उसके कब्जे से कुछ महत्वपूर्ण सामग्री भी जब्त की गई है।

सौरभ चंद्राकर के साथ काम करने का दावा : सीबीआई के अनुसार, अभिषेक कुमार की भूमिका महादेव बेटिंग ऐप के संचालन में सामने आई हैं। जांच में जब्त सामग्री से उसके सक्रिय रूप से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। एजेंसी का कहना है कि वह महादेव ऐप के मुख्य आरोपियों सौरभ चंद्राकर और शुभम सोनी के साथ मिलकर काम करता था।

रायपुर में 2 दिन की पुलिस रिमांड : गिरफ्तारी के बाद अभिषेक को हैदराबाद की स्थानीय अदालत में पेश किया गया। कोर्ट से सीबीआई को उसकी 3 दिन की ट्रांजिट रिमांड मिली। इसके बाद आरोपी को रायपुर लाकर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 2 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

13 एफआईआर की जांच सीबीआई के पास : महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े मामलों में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग थानों में दर्ज 13 एफआईआर राज्य सरकार ने सीबीआई को ट्रांसफर की थीं। सीबीआई ने इन सभी मामलों की जांच अपने हाथ में ली है। सीबीआई के मुताबिक अब तक मामले में 100 आरोपियों के खिलाफ 8 चार्जशीट दाखिल की जा चुकी हैं। इनमें महादेव बेटिंग ऐप के मुख्य प्रमोटर, पैनल ऑपरेटर, हवाला ऑपरेटर और छत्तीसगढ़ सरकार के लोक सेवक शामिल हैं।

7 रेड कॉर्नर नोटिस, 2 प्रत्यर्पण प्रस्ताव भेजे : सीबीआई फरार मुख्य प्रमोटरों को भारत वापस लाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए अब तक 7 रेड कॉर्नर नोटिस और 2 प्रत्यर्पण प्रस्ताव भेजे गए हैं। वहीं, 2 आरोपियों के खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्रवाई चल रही है। सीबीआई ने कहा है कि अवैध ऑनलाइन सट्टा कारोबार में शामिल सभी आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के साथ अपराध से अर्जित रकम का पता लगाने की कार्रवाई जारी रहेगी।

चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के सवालों पर सीएम साय का पलटवार...कहा...चुनाव हारते ही ईवीएम पर ठीकरा फोड़ती है कांग्रेस

रायपुर,24 सितम्बर 2026। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाया है। इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस देशभर में जनता का विश्वास खो चुकी है। जब कांग्रेस चुनाव जीतती है तब उसे ईवीएम पर कोई शंका नहीं होती, लेकिन चुनाव हारने के बाद ईवीएम पर ठीकरा फोड़ा जाता है। सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस की ओर से चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। राहुल गांधी ने हाल के दिनों में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। जब कांग्रेस का जनता के बीच विश्वास कम हो रहा है तो वह देश के सामने अलग-अलग बहाने रख रही है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भाजपा नेता स्मृति ईरानी को 'घायल शेरनी' कहे जाने पर भी सीएम विष्णु देव साय ने पलटवार किया है। सीएम साय ने कहा कि भूपेश बघेल को भाजपा की चिंता छोड़कर अपनी चिंता करनी चाहिए। बघेल को पंजाब से जिम्मेदारी से हटाकर अब असम की जिम्मेदारी दी गई है। साय ने कहा कि भूपेश बघेल को असम में पहली बार में ही विरोध का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि हाल ही में असम के नगांव में चुनाव प्रचार के दौरान भूपेश बघेल और कांग्रेस नेताओं के काफिले पर पथराव की घटना सामने आई थी, जिसमें कांग्रेस ने हमले के आरोप लगाए थे।

मंत्रालय बस अग्निकांड...कर्मचारियों के विरोध के बाद प्रशासन ने लिया बड़ा फैसला,सभी बसों की होगी तकनीकी जांच

रायपुर,24 सितम्बर 2026। नवा रायपुर में मंत्रालय कर्मचारियों को लाने-ले जाने वाली बस में आग लगने की घटना के बाद कर्मचारियों के विरोध और सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवालों के बीच प्रशासन ने कई अहम फैसले लिए हैं। शनिवार और रविवार को मंत्रालय की सभी स्टाफ बसों का विशेष संयुक्त तकनीकी परीक्षण कराया जाएगा। जांच में जो बसें अनफिट पाई जाएंगी, उन्हें तत्काल सेवा से बाहर किया जाएगा। दरअसल, 23 सितंबर की शाम मंत्रालय कर्मचारियों को लेकर लौट रही बस क्रमांक 3073 में अचानक आग लग गई थी। देखते ही देखते बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना राखी थाना क्षेत्र में हुई। बस में सवार कर्मचारियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

आग की घटना के बाद कर्मचारियों में बढ़ा आक्रोश : बस अग्निकांड के बाद 24 सितंबर को मंत्रालय कर्मचारियों का गुस्सा सामने आया। मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कर्मचारी मंत्रालय के डी-गेट के सामने एकत्र हुए और बसों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विरोध जताया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि मंत्रालय स्टाफ को लाने-ले जाने वाली कई बसें काफी पुरानी और खराब स्थिति में हैं। उनका कहना है कि बसों की स्थिति को लेकर पहले भी अधिकारियों को कई बार शिकायत की गई थी। कर्मचारियों के मुताबिक, कुछ बसें मंत्रालय आते-जाते समय रास्ते में कई बार बंद तक हो जाती थीं। कर्मचारियों ने सभी स्टाफ बसों की फिटनेस और तकनीकी स्थिति की निष्पक्ष जांच कराने, पुरानी बसों को हटाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

प्रशासन के निर्देश के अनुसार आगामी शनिवार और रविवार को परिवहन विभाग की ओर से मंत्रालय की सभी स्टाफ बसों का संयुक्त तकनीकी परीक्षण किया जाएगा। जांच के दौरान बसों की फिटनेस और तकनीकी स्थिति को देखा जाएगा।

आपात बैठक में प्रशासन ने लिए कई फैसले

कर्मचारियों के विरोध के बाद सामान्य प्रशासन विभाग के उप सचिव की अध्यक्षता में आपात उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई। इसमें एनआरडीए, नगर निगम, बस ऑपरेटर और मंत्रालय कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में बसों की खराब स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों और बस ऑपरेटर से जवाब-तलब किया गया। कर्मचारी संघ की ओर से रखी गई मांगों पर चर्चा के बाद प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)